तापमान
अधिकतम 43.1 डिग्री
न्यूनतम 22.5 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार 7 जून 2026

शहर में आज

- धींगडा कम्यूनिटी सेंटर में श्रीमद्भागवद कथा शाम 4 बजे
- गोयल क्रिकेट क्लब व एबीसी क्रिकेट क्लब का मैच सुबह 8 बजे
- वार्ड 10 में स्वच्छता अभियान सुबह 10 बजे

हरियाणा का सबसे बड़ा आयुर्वेदिक हस्पताल

बढ़िया आयुर्वेदिक हस्पताल जिसका आपको इंतजार था–तो अब इंतजार किस बात का

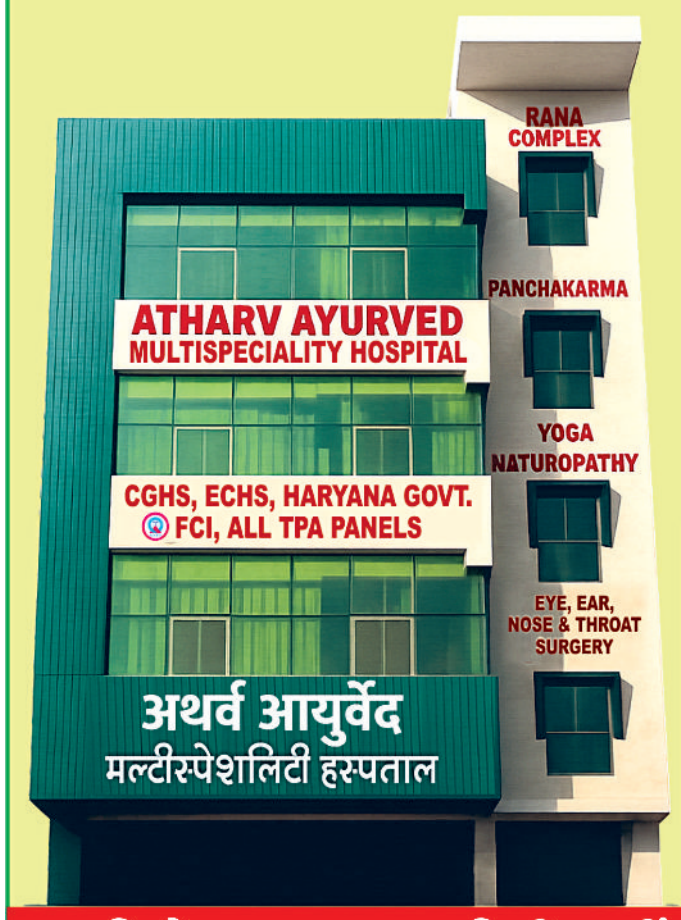

CGHS | ECHS | F.C.I. | Haryana Govt.
सभी प्राइवेट पैनल पर

आयुर्वेद-पंचकर्म-नैचुरोपैथी का संगम

Asli Ayurved With Modern Infra
Ayurved with a Difference-Experience it.

अथर्व™ आयुर्वेद
मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल

छोटूराम स्टेडियम के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Contact: 01262-257211
8053928881, 8053128881
Dr. Prince | Dr. Sanjeev Madaan | Dr. Danish

सभी पैनल्स आपकी सेवा में
CGHS | ECHS | F.C.I. | Haryana Govt.
1. Star Health
2. ICICI Insurance
3. HDFC Insurance
4. Future General Insurance
5. Bajaj Allianz Insurance
6. SBI General Insurance
7. Care Insurance
8. Aditya Birla Insurance
9. Paramount TPA
10. Universal Sompo
11. Chola MS
12. Reliance General
13. Park Mediclaim & Many Others.

माँ बनने का सपना पूरा करें
बांझपन, बार-बार अबोरशन का समाधान
ट्यूब ब्लॉक, रसौली, फाइब्राइड में आप्रेशन क्यों ?
PCOD/PCOS/ Menstrual Disorders
की टेंशन क्यों ? आयुर्वेद-पंचकर्म से इलाज है
क्वालीफाइड, एक्सपीरियन्सड आयुर्वेदिक स्पैशलिस्ट प्रतिदिन मिलते हैं।
पहले व तीसरे शनिवार फ्री ओ.पी.डी.
सुबह 10:00 बजे से 2:00 बजे तक

बिना चीर फाड़
Anorectal Diseases: Piles, Fissure, Fistula etc.
गुदा रोग: बवासीर, भगंदर, फिशर आदि का
क्षार सूत्र, पंचकर्म से पक्का इलाज, ताकि दोबारा न हो
हर शनिवार फ्री चैकअप सुबह 10: बजे से 2:00 बजे तक
क्षार सूत्र/ प्रोसीजर मात्र Rs.10,000* में
आयें, इलाज करायें- शाम को घर जायें।
इलाज से अगले दिन काम पर जायें।
Qualified Expert प्रतिदिन मिलते हैं
*लैब/ दवा खर्च अलग, बिना दाखिला के

Joints Pain
जोड़ क्यों बदलवायें!
अथर्व में आराम पायें
जोड़ों-कमर दर्द, डिस्क, सरवाईकल, गठिया, लकवा, नसों का फूलना/ कमजोरी आदि में
आयुर्वेद-पंचकर्म-नैथुरोपैथी
पेन किलर → साईडइफैक्टस → नो ईलाज
अथर्व आयुर्वेद
नो साईडइफैक्टस ईलाज

गुर्दे-शुगर-बी. पी.
बीमारी और दवाओं दोनों के साइडइफैक्टस की चिंता छोड़
अथर्व आयुर्वेद आएं
- माईग्रेन, थाइरॉयड, पेशाब, सैक्स रोग
- एसिडिटी, कब्ज, आईबीएस आदि लिवर-पेट रोग
- सोरायसिस, एलर्जी, एग्जिमा आदि चमड़ी रोग
- बच्चों व बड़ों की खाँसी, दमा आदि छाती रोग।

अन्य सभी रोगों का
बिना साइड इफैक्टस समाधान
आयुर्वेद-पंचकर्म-नैचुरोपैथी से।

बिना दवा आराम देने वाले डिपार्टमेन्टस

नये-पुराने सभी दर्दों में
अग्निकर्म, रक्तमोक्षण
से तुरन्त आराम

फिज़ीयोथैरेपी

आधुनिक मशीनों एवं क्वाईपफाईड डॉक्टरों द्वारा
जीवन आसान बनायें
दर्द, जकड़न,
जोड़ों, मांस-पेशियों
नसों की कमजोरी,
चोट, ऑप्रेशन के बाद रिकवरी,
स्पोर्टस इंजरी, आदि।

तेज रिकवरी
दर्द नहीं
एक्सपर्ट डॉक्टर
प्रतिदिन मिलते हैं।

योग नैचुरोपैथी
से
बिना दवा ईलाज
शरीर-मन का संतुलन
रोगों से मुक्ति
स्वस्थ लम्बा जीवन पायें;
योगा- नैचुरोपैथी के डॉक्टर प्रतिदिन मिलते हैं।

खबर संक्षेप

जनसमस्याओं पर डीसी से मिले कृष्णमूर्ति हुड्डा

रोहतक। पूर्व मंत्री कृष्ण मूर्ति हुड्डा ने जिला उपायुक्त से मुलाकात कर मतदाता सूची शुद्धिकरण और ग्रामीण विकास के मुद्दों पर गहन चर्चा की। हुड्डा ने जिला प्रशासन से जिले में एसआईआर को पूरी पारदर्शिता से लागू करने की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा जारी 53 करोड़ रुपये के बजट से रोहतक के 30 गांवों के खेतों को जलभराव से मुक्त करने की योजनाएं 30 जून तक पूरी हो जाएंगी।

स्वामी शंकरानंद महाराज का श्रद्धालुओं ने स्वागत किया

सांपला। 1008 महामंडलेश्वर स्वामी राघवेन्द्र भारती और स्वामी शंकरानंद महाराज का श्रद्धालुओं ने स्वागत किया। स्वामी के आगमन की सूचना मिलते ही क्षेत्र के श्रद्धालु बड़ी संख्या में रोहद टोल प्लाजा पर पहुंच गए। साथ ही नगर पालिका के नवनियुक्त पार्षदों ने भी गुरुजनों का स्वागत कर उनका आशीर्वाद लिया। वार्ड नंबर 3 के पार्षद महेश कुमार बंसल ने बताया कि स्वामी राघवेन्द्र भारती के आगमन की खबर से श्रद्धालुओं में उत्साह था और सैकड़ों लोग उनके दर्शन एवं आशीर्वाद के लिए पहुंचे। श्रद्धालुओं ने स्वामी राघवेन्द्र भारती के साथ आए अन्य संत-महात्माओं का भी सम्मान किया।

एक हजार से अधिक हैं कुल दुकानें, इनमें 350 से अधिक सर्राफा कारोबारी

रेलवे रोड पर पार्किंग व्यवस्था नहीं व्यापारियों को हो रहा भारी नुकसान

- रेलवे स्टेशन पर पार्किंग बनाने के लिए कई बार कर चुके हैं मांग
- प्रशासन के साथ मीटिंग में उठ चुका है मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। रेलवे रोड पर लगा जाम। फोटो : हरिभूमि

शहर का सबसे व्यस्त और प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र रेलवे रोड के व्यापारी पार्किंग की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। एक हजार से अधिक दुकानों और करीब साढ़े तीन सौ सर्राफा कारोबारियों वाले इस बाजार में ग्राहकों के लिए वाहनों की पार्किंग की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण व्यापार प्रभावित हो रहा है। दुकानदारों का कहना है कि वर्षों से पार्किंग की मांग उठाई जा रही है, लेकिन अभी तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया है। इसकी वजह से ग्राहक बाजार आने से बचने लगे हैं और व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। रेलवे रोड बाजार शहर के सबसे पुराने और प्रमुख बाजारों में से एक है। जहां एक हजार से अधिक दुकानें हैं। इनमें 350 से अधिक तो सर्राफा कारोबारियों की दुकानें हैं। सर्राफा बाजार होने के कारण आसपास के गांवों और अन्य जिलों से भी ग्राहक आते हैं, लेकिन बाजार में वाहन खड़ा करने के लिए पर्याप्त जगह नहीं है। सड़क के किनारे वाहन खड़े होने से अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है। ऐसे में ग्राहक खरीदारी करने की बजाय दूसरे बाजारों का रुख करने लगे हैं। रेलवे रोड पर कुछ जगह दुकानदारों ने अतिक्रमण भी किया हुआ है।

सिटी पल्स

व्यापारियों का कहना है कि रेलवे स्टेशन परिसर में पार्किंग विकसित की जाए या आसपास किसी स्थान पर बहुमंजिला पार्किंग बनाई जाए तो समस्या का काफी हद तक समाधान हो सकता है। इस संबंध में प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ कई बैठकों में भी मांग रखी जा चुकी है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

रोजाना आते हैं बड़ी संख्या में ग्राहक

स्वर्णकार संघ के प्रधान जगदीश वर्मा ने बताया कि रेलवे रोड का सर्राफा बाजार पूरे क्षेत्र में अपनी पहचान रखता है। यहां रोजाना बड़ी संख्या में ग्राहक पहुंचते हैं, लेकिन पार्किंग की कमी सबसे बड़ी समस्या बनी हुई है। कई बार प्रशासन और रेलवे अधिकारियों के समक्ष यह मांग रखी गई है कि रेलवे स्टेशन क्षेत्र में पार्किंग की व्यवस्था की जाए ताकि बाजार आने वाले लोगों को राहत मिल सके। यदि पार्किंग की सुविधा मिल जाए तो व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा और यातायात व्यवस्था भी बेहतर होगी।

कारोबार प्रभावित हो रहा

सर्राफा कारोबारी अमित वर्मा ने बताया कि ग्राहकों को सबसे ज्यादा परेशानी वाहन खड़ा करने को लेकर होती है। कई ग्राहक केवल इस कारण वापस लौट जाते हैं क्योंकि उन्हें अपनी गाड़ी खड़ी करने की सुरक्षित जगह नहीं मिलती। बाजार में लगातार बढ़ती भीड़ के बावजूद पार्किंग की दिशा में कोई ठोस योजना नहीं बनाई गई है। इससे छोटे और मध्यम व्यापारियों का कारोबार प्रभावित हो रहा है।

वर्षों से नहीं हुआ समाधान

व्यापारी त्रिलोक चंद ने बताया कि रेलवे रोड बाजार में पार्किंग की समस्या नई नहीं है। वर्षों से व्यापारी इस मुद्दे को उठा रहे हैं। प्रशासनिक अधिकारियों के साथ हुई बैठकों में भी यह मामला प्रमुखता से रखा गया, लेकिन समाधान अभी तक नहीं निकला। यदि रेलवे स्टेशन के आसपास खाली पड़ी भूमि का उपयोग पार्किंग के लिए किया जाए तो न केवल व्यापारियों बल्कि आम लोगों को भी राहत मिल सकती है।

15 से शुरू होगा मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण अभियान

- मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के लिए घर-घर जाकर होगा सत्यापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता फोटो : हरिभूमि

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सचिन गुप्ता ने कहा है कि भारत निर्वाचन आयोग एवं हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार 15 जून 2026 से मतदाता सूचियों को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किया जायेगा। कार्यक्रम के अनुसार 15 जून से 14 जुलाई 2026 तक गणना का कार्य होगा। इस अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाना तथा मृत, स्थानांतरित अथवा डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम हटाकर वास्तविक मतदाताओं का सही रिकॉर्ड तैयार करना है।सचिन गुप्ता ने कहा है कि जिला के मतदाता इस अभियान में पूर्ण सहयोग करें तथा मतदाता सूचियों को त्रुटिरहित बनाने में योगदान दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि एसआईआर वोट घटाने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि मृत /दोहरे नाम हटाकर सही और पात्र मतदाताओं को शामिल करने की वैधानिक प्रक्रिया है। संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार केवल भारतीय नागरिक ही मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के पात्र हैं। आयोग का दायित्व है कि कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो तथा कोई भी पात्र नागरिक वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि हरियाणा में विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य अंतिम बार वर्ष 2002 में किया गया था। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा है कि यदि कोई व्यक्ति निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) के निर्णय से असंतुष्ट होता है, तो वह जिला मजिस्ट्रेट तथा बाद में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के समक्ष अपील कर सकेगा। इसके अतिरिक्त राज्य के बाहर से स्थानांतरित होकर आने वाले नागरिकों को मतदाता पंजीकरण के लिए प्रपत्र-6 के साथ अतिरिक्त घोषणा-पत्र भी जमा करना होगा। मतदाताओं की सुविधा के लिए जिला कॉल सेंटर (1950) को सक्रिय किया गया है। कोई भी मतदाता मतदाता सूची से संबंधित जानकारी एवं सहायता प्राप्त करने के लिए इस नंबर पर संपर्क कर सकता है।

न्यूज डायरी

भाजपा के मंगलकमल कार्यालय में बारह साल बेमिसाल विषय पर हुई संगठनात्मक बैठक

रोहतक। भाजपा जिला इकाई द्वारा भाजपा कार्यालय मंगलकमल में बारह साल बेमिसाल विषय पर एक संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष एडवोकेट रणवीर सिंह ढाका ने की। बैठक में जून माह के दौरान पार्टी द्वारा आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों एवं संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के संयोजक पूर्व वरिष्ठ उपमहापौर राजू सहगल और सह संयोजक प्रतिभा सुमन,अजय खुंडियां और कैप्टन ईश्वर सिंह हैं। जिलाध्यक्ष रणवीर ढाका ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहे हैं। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल, प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय बंसल, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर,प्रदेश सचिव रेणु डाबला,दीपक हुड्डा, मंजु हुड्डा , नागेंद्र शर्मा,मेयर राम अवतार वाल्मीकि, पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, राजू सहगल, प्रतिभा सुमन, अजय खुंडियां, दोनों महामंत्री अभिनंदन भारद्वाज व नितिन जैन उपस्थित रहे।

भाजपा का संगठन सबसे बड़ी ताकत: बिजेंद्र

रोहतक। भाजपा जिला रोहतक इकाई द्वारा भाजपा कार्यालय मंगलकमल में जिलाध्यक्ष एडवोकेट रणवीर सिंह ढाका की अध्यक्षता में कलानौर विधानसभा की एक संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य वक्ता पूर्व जिलाध्यक्ष झज्जर बिजेंद्र दलाल रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा का संगठन उसकी सबसे बड़ी ताकत है। प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की नीतियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करे तथा संगठन द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करे। जिला मीडिया प्रभारी पंकज भारद्वाज ने बताया इस अवसर पर प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय बंसल, जिला प्रभारी सत्येंद्र परमार, डॉ अशोक रंगा जिला प्रभारी सभी प्रकोष्ठ,ढोनों महामंत्री अभिनंदन भारद्वाज व नितिन जैन आदि मौजूद रहे।

ईश्वर से अच्छी बुद्धि की करें कामना : शक्तिदेव

रोहतक। आर्य वीर दल के तत्वावधान में स्थानीय आर्य नगर स्थित वैदिक भक्ति साधन आश्रम में सात दिवसीय आर्य वीरांगना प्रशिक्षण शिविर के छठे दिन शिविरार्थी कन्याओं की शिक्षकों द्वारा बौद्धिक और शारीरिक परीक्षा ली गई। शिविर अध्यक्ष दयावती ने बताया कि योग्य शिविरार्थियों को समापन समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा। यज्ञ पुरोहित आचार्य शक्तिदेव ने प्रातः काल यज्ञ सम्पन्न करवाया। उन्होंने कहा कि ईश्वर से अच्छी बुद्धि की प्रार्थना करनी चाहिए। वेद में सब कर्तव्य कर्मों का प्रतिपादन किया गया है क्योंकि वेद संपूर्ण ज्ञान का कोष है। भौतिक आवश्यकताओं के वर्णन के साथ आध्यात्मिक ज्ञान का भी कोष वेद है। वेद मनुष्यों को पारस्परिक घृणा भाव से दूर रहने के उपदेश देता है।

जिंदरान गांव को अब बिजली कलानौर से मिलेगी

रोहतक। क्षेत्र के गांव जिंदरान के ग्रामीणों की वर्षों पुरानी बिजली समस्या के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कलानौर से गांव जिंदरान तक लगभग 45 लाख रुपये की लागत से 3 किलोमीटर लंबी नई बिजली लाइन का शुभारंभ किया गया। नई लाइन शुरू होने से गांव में बिजली आपूर्ति सुचारू, स्थिर और गुणवत्तापूर्ण होगी। दग्राम पंचायत सरपंच धर्मवीर चौहान ने कहा कि गांव के लोग लंबे समय से बिजली संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे। पहले गांव को बिजली आपूर्ति निगाना की तरफ से आने वाली लाइन के माध्यम से होती थी, जिसके कारण अक्सर लो-वोल्टेज और बिजली आपूर्ति में व्यवधान की समस्या बनी रहती थी। ग्रामीणों द्वारा लंबे समय से गांव को कलानौर की तरफ से सीधी बिजली लाइन से जोड़ने की मांग की जा रही थी। अब नई लाइन शुरू होने से ग्रामीणों की यह मांग पूरी हो गई है और गांव को बेहतर बिजली सुविधा प्राप्त होगी। सरपंच धर्मवीर चौहान ने कहा कि नई बिजली लाइन की मांग को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे थे। उन्होंने इस कार्य के लिए हरियाणा सरकार के बिजली विभाग अधिकारियों तथा डॉ अशोक कुमार रंगा, जिला प्रभारी (सभी प्रकोष्ठ) भाजपा रोहतक एवं सदस्य जिला ग्रीवेंस कमेटी रोहतक का विशेष आभार व्यक्त किया, जिन्होंने विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर इस महत्वपूर्ण कार्य को पूरा करवाने में सहयोग दिया।इस अवसर पर वेद सिंह राठी, संजीत जोगी, जित्ता, भाजपा मंडल महामंत्री राकेश पांचाल, सुनील, राजेंद्र पंडित, राजपाल फोगाट, बबलू जेठ पुर सरपंच प्रतिनिधि नरेश गिल, माडौधी रागडान सरपंच प्रतिनिधि बिजेंद्र कुमार सहित अनेक गणमान्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

भारत विकास परिषद ने किया पौधरोपण

रोहतक। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारत विकास परिषद ओमेक्स शाखा के सदस्यों द्वारा पौधरोपण किया गया। शाखा के सचिव अनिल अग्रवाल ने बताया कि पौधरोपण का कार्य आगे आने वाले मानसून में जारी रहेगा। कार्यक्रम में ओमेक्स शाखा के परिवारों और बच्चों के द्वारा खूब बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शाखा के अध्यक्ष डी के जैन और पर्यावरण प्रकल्प के प्रमुख राजीव पाल चावला द्वारा सभी को पॉलिथीन मुक्त भारत पर सदस्यों को जागरूक किया गया। उन्होंने पॉलिथीन कोई इधर-उधर न फैंक कर घर की सभी पॉलिथीन को एक बोतल में इकट्ठा सुझाव दिया। इस अवसर पर मौजूद सभी ने शपथ ली वो अधिक से अधिक पेड़ लगायेगें और उनकी देखभाल करेंगे। नहरों पर सफाई अभियान चलाया गया। नहर के किनारों पर बिखरी हुई पॉलीथिन व अन्य सामान को एकत्र किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ सदस्य ओम प्रकाश जैन, सरपरस्त सुरेंद्र छाबड़ा, सहसरपरस्त वीरेंद्र जैन, शाखा अध्यक्ष डीके जैन, कोषाध्यक्ष मनीष जैन सचिव अनिल अग्रवाल, राजीव गुप्ता, दीपक जैन, संपर्क संयोजक अजीत जैन, महिला संयोजिका तुलसी बजाज, ममता जैन, अनिल छाबड़ा, मीनू सचदेवा और शाखा के अन्य सदस्य और बच्चे मौजूद रहे।

जंतर-मंतर जा रहे जिला परिषद सदस्य जयदेव डागर हिरासत में

रोहतक। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के दिल्ली स्थित जंतर-मंतर पर आयोजित प्रदर्शन को लेकर हरियाणा पुलिस अलर्ट मोड पर रही। शनिवार को रोहतक-दिल्ली सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। दिल्ली प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे रोहतक जिला परिषद सदस्य जयदेव डागर और उनके साथियों को सांपला पुलिस ने हिरासत में ले लिया।जानकारी के अनुसार, जयदेव डागर अपने समर्थकों के साथ दिल्ली के लिए रवाना हुए थे। रास्ते में पुलिस ने उनकी गाड़ी रुकवा ली। इस दौरान पुलिस और समर्थकों के बीच काफी देर तक बहस हुई, लेकिन बाद में पुलिस उन्हें थाने लेकर चली गई। वहीं, पुलिस द्वारा दिल्ली जाने वाले अन्य युवाओं की भी धरपकड़ किए जाने की सूचना है। उधर, सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके शनिवार सुबह अमेरिका से दिल्ली पहुंचे।

न्यूज डायरी

एचडी स्कूल में स्ट्रेस मैनेजमेंट पर कार्यक्रम

रोहतक। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के प्रशिक्षण प्रकोष्ठ द्वारा जारी अधिसूचना के तहत सीओई गुरुग्राम के तत्वावधान में एचडी पब्लिक स्कूल, बहु अकबरपुर में "स्ट्रेस मैनेजमेंट (तनाव प्रबंधन)" विषय पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम (सीबीपी) का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। विद्यालय के निदेशक सुरेंद्र सिंह फोगाट व शैक्षणिक निदेशिका कृष्ण फोगाट के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को तनाव प्रबंधन की प्रभावी तकनीकों से अवगत कराना तथा उन्हें व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में बेहतर संतुलन स्थापित करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना था।

विद्यार्थियों को दिए तनाव प्रबंधन के टिप्स

रोहतक। सांगवान इंटरनेशनल स्कूल में सीबीएसई द्वारा एडोलेसेंट बिहेवियर एंड पेडागॉजी (सीबीपी) प्रशिक्षण सत्र का सफल आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को विद्यार्थियों के समग्र विकास, जीवन कौशल और तनाव प्रबंधन के प्रति जागरूक करना था। सत्र में बतौर मुख्य रिसोर्स पर्सन शिक्षाविद् संजय कुमार एवं कृतिका गिलोत ने शिरकत की। विशेषज्ञों ने शिक्षकों को समझाया कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी युग में किताबी ज्ञान के साथ-साथ बच्चों को मानसिक रूप से मजबूत और व्यावहारिक बनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि शिक्षक स्वयं सकारात्मक और संवेदनशील रहेंगे, तो वे विद्यार्थियों को मानसिक दबाव और भय से दूर रख सकेंगे।

निःशुल्क नेत्र शिविर में 385 मरीजों की जांच

रोहतक। जन सेवा संस्थान, रोहतक द्वारा भिवानी रोड स्थित वृद्ध आश्रम में निशुल्क नेत्र जांच एवं ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ संस्थान अध्यक्ष महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी परमानन्द महाराज के सान्निध्य में मुख्य अतिथि डॉ. राकेश चावला ने दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. नीरज दुआ और डॉ. राकेश चावला ने 385 मरीजों की आंखों की जांच की तथा आवश्यक दवाइयां निशुल्क वितरित कीं। जांच के दौरान 45 मरीजों को ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। इन सभी मरीजों के मोतियाबिंद ऑपरेशन भिवानी के जालान अस्पताल में करवाए जाएंगे। संस्थान की ओर से मरीजों को परिवहन, भोजन, दवाइयां, ऑपरेशन सामग्री, सहित सभी सुविधाएं मुफ्त उपलब्ध कराई जाएंगी।

दुकानदारों ने चलाया मेरी दुकान, मेरी जिम्मेदारी स्वच्छ बाजार अभियान

महम। महम शहर में कई दुकानदारों ने मेरी दुकान, मेरी जिम्मेदारी स्वच्छ बाजार अभियान शुरू किया है। दुकानदारों द्वारा शुरू की गई इस मुहिम की जगह जगह सराहना हो रही है। इस अभियान के तहत कई युवा दुकानदारों ने कचरा संग्रहित करने के लिए बड़े स्तर पर डस्टबीन खरीदे हैं और इन डस्टबीनों को दुकानों पर रखा है। दुकानदारों ने शपथ ली है कि अब वे अपनी दुकानों से निकलने वाला समस्त कचरा केवल नगर पालिका द्वारा संचालित ई-रिक्शा एवं कचरा संग्रहण वाहनों में ही डालेंगे। सामाजिक कार्यकर्ता राकेश भारद्वाज ने बाजारों में दुकानदारों से अपील की थी। उनके द्वारा शुरू की गई यह मुहिम अब रंग लाने लगी है। उनकी अपील पर मेन बाजार के दुकानदारों सचिन गोयल, शिवम बत्रा, अशोक सेन, राहुल बत्रा, सोनू खत्री, रवि सैनी, रिंकू आदि ने स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया।

रक्तदान शिविर में 36 यूनिट रक्त संग्रहित

रोहतक। रोटरी क्लब रोहतक सफायर के अध्यक्ष विजय तायल के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्र देवो भव मिशन के सहयोग तथा बाबा सुखा शाह के नेतृत्व में अंबेडकर चौक स्थित देशभक्ति स्मारक स्थल पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त उपलब्ध करवाना था।शिविर में युवाओं, समाजसेवियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रक्तदान अभियान के दौरान कुल 36 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। रक्तदाताओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं तथा चिकित्सकों की टीम ने स्वास्थ्य जांच भी की। कार्यक्रम में एलपीएस बॉसार्ड के प्रबंध निदेशक राजेश जैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। रक्तदान सबसे बड़ा मानव सेवा का कार्य है, क्योंकि इससे किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन मिल सकता है। उन्होंने स्वस्थ लोगों से नियमित रक्तदान करने का आह्वान किया। रोटरी क्लब रोहतक सफायर के अध्यक्ष विजय तायल ने सभी रक्तदाताओं और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जन्मदिवस जैसे अवसरों को सामाजिक सेवा से जोड़ना प्रेरणादायक है। कार्यक्रम के दौरान रक्तदाताओं को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर विनोद जैन, नितिन तायल, विनय गोयल, सुशील जैन, सुनील जैन, राजीव जैन, सनी निझावन सहित अनेक गणमान्य नागरिक और क्लब सदस्य उपस्थित रहे।

स्वामी इंद्रवेश विद्यापीठ में कन्या चरित्र निर्माण योग शिविर

500 बहनों ने लिया राष्ट्रभक्ति व संस्कारों का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

स्वामी इंद्रवेश विद्यापीठ, टिटौली परिसर में शनिवार को कन्या चरित्र निर्माण योग शिविर का भव्य शुभारंभ हुआ। शिविर का आयोजन सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद एवं बेटी बचाओ अभियान के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। उद्घाटन समारोह में करीब 500 बहनों ने चरित्र निर्माण, नैतिकता, राष्ट्रभक्ति और ईश्वरभक्ति को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री प्रो. विट्ठलराव आर्य द्वारा ध्वजारोहण तथा समाजसेवी एवं उद्योगपति जगमोहन मित्तल द्वारा उद्घाटन के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली के प्रधान स्वामी आर्यवेश ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में स्वामी आर्यवेश ने कहा कि शिक्षित और संस्कारित नारी ही श्रेष्ठ मानव तथा स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकती है। महर्षि दयानंद सरस्वती ने महिला अधिकारों की सबसे पहले प्रभावी वकालत की थी और आज भी आर्य समाज महिलाओं के सम्मान, शिक्षा और स्वाभिमान की रक्षा के लिए कार्य कर रहा है।

रोहतक। कन्या चरित्र निर्माण योग शिविर का शुभारंभ करवाते सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री प्रो. विट्ठलराव आर्य व सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली के प्रधान स्वामी आर्यवेश व अन्य आर्य। फोटो : हरिभूमि

यह रहे मौजूद

इस अवसर पर कर्नल आर.के. सिंह, डीएसपी अर्जुन सिंह, मुकेश आर्या, सज्जन राठी, प्रदीप कुमार, विपुल गुप्ता, अजय पाल, संसार मलिक, महेंद्र शास्त्री, राजबीर मलिक और प्रो. सुनीता खासा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रवेश आर्या ने किया।

युवाओं से जीवन का स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने की अपील

मुख्य अतिथि जगमोहन मित्तल ने युवाओं से जीवन का स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने की अपील की। अनुशासन, सकारात्मक सोच और दृढ़ संकल्प के बल पर कोई भी व्यक्ति सफलता प्राप्त कर सकता है। बेटी बचाओ अभियान की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम आर्या के सान्निध्य में आयोजित इस शिविर में योगासन, प्राणायाम, जूडो-कराटे और कमांडो लाठी प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। आज की बेटियों को आत्मरक्षा, सुरक्षा और स्वाभिमान के साथ जीवन जीने की कला सीखनी होगी।

राजेश जैन ने किया अस्पताल निर्माण कार्य का निरीक्षण

बाबा कालीदास धाम में अखंड महायज्ञ में पहुंचे श्रद्धालु

सांपला। सिद्ध पीठ श्री शिव शक्ति बाबा कालीदास धाम आश्रम में आयोजित 11 दिवसीय श्री लक्ष्मी नारायण अष्ट लक्ष्मी अखंड महायज्ञ में श्रद्धालुओं की आस्था लगातार उमड़ रही है। मां भगवती श्री आदिशक्ति महालक्ष्मी देवी भवानी तथा भगवान श्री हरि विष्णु को समर्पित इस महायज्ञ में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर यज्ञ में आहुतियां अर्पित कर रहे हैं। आश्रम परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों से भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। दूर-दराज क्षेत्रों से भी श्रद्धालु महायज्ञ में भाग लेने के लिए पहुंच रहे हैं।

महायज्ञ के दौरान एलपीएस बोसार्ड के चेयरमैन राजेश जैन, उड़ीसा से सोमाया तथा अन्य श्रद्धालु आश्रम पहुंचे। उन्होंने यज्ञ में आहुतियां अर्पित कर धर्म लाभ प्राप्त किया। आश्रम पहुंचने पर महायोगी बाबा कालीदास ने अतिथियों का स्वागत किया और उनके सुखद एवं मंगलमय जीवन की कामना की। श्रद्धालुओं ने भी आश्रम में चल रहे धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेते हुए आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव किया। आयोजन समिति के सदस्यों ने आगंतुकों को महायज्ञ के महत्व और इसके अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी दी।इस अवसर पर राजेश जैन ने आश्रम परिसर में निर्माणाधीन आधुनिक अस्पताल का निरीक्षण भी किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि बाबा कालीदास का जीवन समाज सेवा और परमार्थ के कार्यों के लिए समर्पित रहा है।

रोहतक। बाबा कालीदास महाराज से आशीर्वाद प्राप्त करते एलपीएस बोसार्ड के चेयरमैन राजेश जैन। फोटो : हरिभूमि

तापमान
अधिकतम 43.1 डिग्री
न्यूनतम 22.5 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार 7 जून 2026

12 अंडरपास निर्माण के दौरान टूटी पानी की ...

12 शहर को स्वच्छ बनाने की नई पहल जहां लोग ...

खबर संक्षेप

खेत से लौट रहे युवक पर रास्ता रोककर हमला

रोहतक। महम के गांव निदाना में पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक पर कथित रूप से जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि खेत से घर लौट रहे युवक का रास्ता रोककर कई लोगों ने उस पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया और बाद में जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। रात के अंधेरे में खेत से लौट रहे युवक को बीच रास्ते में घेर लिया गया। हमलावरों ने बाइक अड़ाकर पहले उसे रोका और फिर मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे तो आरोपी धमकी देते हुए वहां से भाग निकले। पुलिस ने गांव निदाना निवासी सुभाष पुत्र नाहर सिंह की शिकायत पर गांव के ही जोगेंद्र पुत्र बलबीर, रामवीर पुत्र बलवीर, धर्मेंद्र पुत्र बनिया, नीरज पुत्र देवेंद्र, जतिन पुत्र जोगेंद्र तथा जोगेंद्र के भांजे के खिलाफ जानलेवा हमला, रास्ता रोकने, धमकी देने सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक लापता

रोहतक। गांव जसैया निवासी संदीप उर्फ बारू (पुत्र कृष्ण) संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया है। परिजनों के अनुसार वह अपनी स्विफ्ट डिजायर कार लेकर रोहतक जाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद परिजनों ने सदर थाना पुलिस में शिकायत दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि युवक की तलाश के लिए संभावित स्थानों और संपर्कों की जांच की जा रही है तथा जल्द पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

देसी पिस्तौल मामले में सप्लायर पकड़ा

रोहतक। अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एसडीयू टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हथियार सप्लाई करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। इससे पहले पीजीआईएमएस क्षेत्र से निखिल को देसी पिस्तौल के साथ पकड़ा गया था। पूछताछ में सामने आया कि उसे यह हथियार जींद निवासी साहिल ने उपलब्ध कराया था। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए साहिल को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि उसने कितने लोगों को हथियार सप्लाई किए हैं और उसका किसी बड़े नेटवर्क से संबंध है या नहीं। जांच जारी है।

बड़े बदलाव की तैयारी, नगर निगम के अधीन होगा जन स्वास्थ्य विभाग, शहर भरेगा विकास की रफ्तार

22 वार्डों में सीवर जाम, पेयजल संकट से राहत की उम्मीद

अब जन स्वास्थ्य विभाग को देना होगा मेयर और पार्षदों को हिसाब किताब

मेयर वाल्मीकि ने पार्षदों के साथ मीटिंग में दी जानकारी

- *विभाग की जवाबदेही मेयर और पार्षदों के प्रति तय होगी, लंबित समस्याओं के त्वरित समाधान पर जोर*
- *पार्षदों ने अधिकारियों पर अनसुनी के आरोप लगाए समन्वय-निगरानी व्यवस्था मजबूत करने की मांग की*

विजय अहलावत ▶▶| रोहतक

रोहतक। शहर के एक होटल में मीटिंग लेते हुए मेयर रामअवतार वाल्मीकि एवं मौजूद पार्षद। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

शहर के 22 वार्डों में लंबे समय से सीवर जाम, दूषित पेयजल आपूर्ति, पानी की किल्लत और पाइपलाइन संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए राहत की खबर है। अब तक इन समस्याओं को लेकर नगर निगम और जन स्वास्थ्य विभाग के बीच जिम्मेदारी तय न होने से आमजन और पार्षद परेशान रहते थे, लेकिन अब व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। विभाग के कार्यों की निगरानी निगम के माध्यम से होगी और विभाग को मेयर तथा पार्षदों के समक्ष जवाबदेह रहना पड़ेगा। अब जन स्वास्थ्य विभाग को नगर निगम के अधीन किया गया है। लंबित समस्याओं के समाधान की उम्मीद बढ़ गई है। मेयर रामअवतार वाल्मीकि ने शहर के एक होटल में पार्षदों के साथ गुप्त मीटिंग की। कई दिनों बाद आयोजित हुई इस बैठक में पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों की समस्याएं प्रमुखता से उठाईं। इस दौरान सीवर ओवरफ्लो, पेयजल संकट, टूटी सड़कों, सफाई व्यवस्था और स्ट्रीट लाइटों से जुड़ी शिकायतों पर भी चर्चा हुई। कई मामलों का मौके पर ही समाधान करवाने के लिए कहा गया, जबकि अन्य समस्याओं के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए।

अधिकारी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लेते थे

बैठक में पार्षदों ने खुलकर कहा कि अब तक जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उनकी शिकायतों और सुझावों को गंभीरता से नहीं लेते थे। वार्डों में सीवर जाम होने या पेयजल आपूर्ति प्रभावित होने पर पार्षदों को लोगों के भारी विरोध का सामना करना पड़ता था, लेकिन संबंधित अधिकारियों तक बात पहुंचने के बावजूद समस्याओं का समय पर समाधान नहीं हो पाता था। कई बार अधिकारियों द्वारा जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेने के आरोप भी लगाए गए।

जन स्वास्थ्य विभाग और निगम में होगा समन्वय

पार्षदों का कहना था कि आमजन सबसे पहले अपने वार्ड प्रतिनिधि के पास शिकायत लेकर पहुंचते हैं। जब समाधान नहीं होता तो लोगों का आक्रोश भी पार्षदों को झेलना पड़ता है। ऐसे में जन स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम के बीच बेहतर समन्वय की लंबे समय से मांग की जा रही थी। अब नई व्यवस्था लागू होने के बाद पार्षदों को उम्मीद है कि अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी और समस्याओं के समाधान में तेजी आएगी।

समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए

मेयर ने कहा कि शहर के विकास और जनसुविधाओं से जुड़े मामलों में सभी विभागों को जनप्रतिनिधियों के साथ बेहतर समन्वय बनाकर कार्य करना होगा। पार्षदों की शिकायतों पर गंभीरता से कार्रवाई कर निर्धारित समय सीमा में निस्तारण सुनिश्चित करें। बैठक में पार्षदों ने नई सीवर लाइन बिछाने, जलभराव की समस्या दूर करने और नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग उठाई। मीटिंग में पार्षद कपिल नागपाल, अनिता मिगलानी, सुरेश किराड़, रमेश बोहर, दीपू मौजूद रहे।

अधिकारी जवाबदेही से बच नहीं पाएंगे

हर वार्ड में तेजी से विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। पानी और सीवर की समस्याएं अधिकतर वार्डों में हैं। इनका समाधान करने के लिए जन स्वास्थ्य विभाग को नगर निगम के अधीन कार्य करना होगा। ताकि मेयर और पार्षदों के प्रति उनकी जवाबदेही तय हो। अभी विभाग के अधिकारी अपनी जिम्मेदारी से बचते नजर आते हैं। इस मामले में कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल से भी मुलाकात हो चुकी है। आने वाले कुछ दिनों में जन स्वास्थ्य विभाग नगर निगम के अधीन कार्य करेगा। -रामअवतार वाल्मीकि मेयर

कूड़े के पहाड़ नहीं बनने देंगे मेयर ने सॉलिड वेस्ट प्लांट में दिए सख्त निर्देश

रोहतक। नगर निगम महापौर रामअवतार वाल्मीकि ने वार्ड सदस्यों और अधिकारियों के साथ सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट का निरीक्षण किया।

- स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण अनुकूल शहर बनाने के लिए नियमित मॉनिटरिंग पर जोर

इस दौरान उन्होंने कूड़े के संग्रहण, पृथक्करण और प्रसंस्करण की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण जरूरी है। महापौर ने संबंधित एजेंसी को प्रतिदिन आने वाले और प्रोसेस किए जाने वाले कूड़े का पूरा रिकॉर्ड रखने तथा समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने व्यवस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग और सुधारात्मक कदम उठाने पर भी जोर दिया।

वर्कशॉप में सेंध, तिजोरी समेत 3.60 लाख ले उड़े चोर

- व्यापारियों और दुकानदारों में चिंता का माहौल, पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बहु अकबरपुर गांव के निकट स्थित रंश किया सर्विस स्टेशन में चोरों ने लाखों रुपये की चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। घटना बीती रात की बताई जा रही है। चोरों ने सुनियोजित तरीके से वर्कशॉप में सेंध लगाई और वहां रखी नकदी से भरी तिजोरी उठाकर फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार, देर रात अज्ञात चोर सर्विस स्टेशन परिसर में पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले मुख्य ताला तोड़ा और वर्कशॉप के अंदर प्रवेश कर लिया। इसके बाद चोर सीधे उस कमरे में पहुंचे जहां तिजोरी रखी हुई थी। माना जा रहा है कि चोरों को पहले से तिजोरी की लोकेशन की जानकारी थी, क्योंकि उन्होंने बिना समय गंवाए सीधे उसी कमरे को निशाना बनाया। चोर तिजोरी को तोड़ने की बजाय उसे ही अपने साथ उठाकर ले गए। शिकायत के अनुसार तिजोरी में करीब 3 लाख 60 हजार रुपये नकद रखे हुए थे। सुबह जब कर्मचारी और संचालक मौके पर पहुंचे तो ताले टूटे मिले और तिजोरी गायब थी। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। घटना की सूचना मिलते ही बहु अकबरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। साथ ही संदिग्ध लोगों की गतिविधियों की भी जांच की जा रही है। सर्विस स्टेशन संचालक की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों की पहचान के लिए तकनीकी और स्थानीय स्तर पर जांच की जा रही है। इस घटना के बाद क्षेत्र के व्यापारियों और दुकानदारों में चिंता का माहौल है।

गन प्वाइंट पर स्कॉर्पियो लूटी मिनटों में फरार हुए बदमाश

- गांव करौंथा के पास वारदात, कुछ देर बाद नाके से गाड़ी बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर में वाहन लूट की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामले में शिवाजी कॉलोनी थाना क्षेत्र के गांव करौंथा के पास तीन हथियारबंद बदमाशों ने गन प्वाइंट पर एक युवक और उसके दोस्त से स्कॉर्पियो गाड़ी लूट ली। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। वहीं, एफएसएल की टीम इंचार्ज डॉ. सरोज दहिया मौके पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। हालांकि कुछ देर बाद पुलिस ने जिले में नाके लगाकर गाड़ी को बरामद कर ली है। पुलिस में दर्ज कराई शिकायत में हिसार जिले के गांव गैबी रोड खुर्द निवासी रोहित ने बताया कि वह अपने दोस्त सुमित के साथ स्कॉर्पियो गाड़ी में सवार होकर गुरुग्राम जाने के लिए निकला था। जब वे गांव करौंथा के पास पहुंचे तो रास्ते में तीन अज्ञात युवकों ने उनकी गाड़ी को रुकवा लिया। आरोप है कि तीनों युवकों के पास हथियार थे और उन्होंने पिस्तौल दिखाकर दोनों दोस्तों को जान से मारने की धमकी दी।

रोहतक। मौके पर जांच करते पुलिस अधिकारी व एफएसएल टीम हेड डॉ. सरोज दहिया।

कुछ ही मिनटों में पूरी वारदात को दिया अंजाम

पीड़ितों के अनुसार बदमाश बेहद आक्रामक थे और उन्होंने कुछ ही मिनटों में पूरी वारदात को अंजाम दे दिया। आरोपियों ने दोनों युवकों को गाड़ी से नीचे उतारा और उनकी स्कॉर्पियो लेकर मौके से फरार हो गए। अचानक हुई इस घटना से दोनों युवक घबरा गए और उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू

सूचना मिलने के बाद शिवाजी कॉलोनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। साथ ही जिलेभर में संबंधित थानों को भी वाहन की जानकारी भेजी गई है।

टीमों का गठन कर आरोपियों की तलाश

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि लूट की इस वारदात को गंभीरता से लिया जा रहा है। विभिन्न टीमों का गठन कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। प्रारंभिक जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आरोपी स्थानीय थे या किसी अन्य क्षेत्र से आए थे। पुलिस को उम्मीद है कि सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जल्द ही आरोपियों तक पहुंचा जा सकेगा।

तीन युवकों के खिलाफ लूट का केस

पुलिस ने रोहित की शिकायत पर अज्ञात तीन युवकों के खिलाफ लूट, हथियारों के बल पर धमकी देने और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लूटी गई स्कॉर्पियो बरामद कर ली जाएगी।

-राकेश सैनी, थाना प्रभारी, शिवाजी कॉलोनी

रोहतक से वैष्णो देवी स्पेशल एसी ट्रेन

9 और 16 जून को मिलेगी सीधी सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए रेलवे ने रोहतक रेलवे स्टेशन से स्पेशल एसी ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन 9 जून और 16 जून को रात 11:30 बजे रवाना होगी। फिलहाल इसे दो ट्रिप के लिए संचालित किया जा रहा है। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि यात्रा केवल आरक्षित टिकट धारकों को ही मिलेगी, ऑन-द-स्पॉट टिकट की सुविधा नहीं होगी। इस विशेष ट्रेन से रोहतक और आसपास के हजारों श्रद्धालुओं को सीधी और आरामदायक यात्रा की सुविधा मिलेगी। स्थानीय लोगों ने रेलवे के इस निर्णय का स्वागत किया है।

ट्रेन केवल अभी दो ट्रिप के लिए चलाई गई

फिलहाल यह ट्रेन केवल दो ट्रिप के लिए संचालित की जा रही है। यदि यात्रियों की संख्या और मांग अच्छी रहती है तो भविष्य में इसके अतिरिक्त फेरे बढ़ाने पर भी विचार किया जा सकता है। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे अपनी यात्रा की योजना बनाते समय समय रहते टिकट आरक्षित करवा लें, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

किलोई में घर पर फायरिंग कर की थी दहशत, एक महीने बाद तीन आरोपी दबोचे

रोहतक। गांव किलोई में एक महिला के घर पर फायरिंग कर दहशत फैलाने के मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस अब वारदात के पीछे के कारणों और अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है। बता दे कि 12 मई को किलोई निवासी सुमित्रा की शिकायत पर थाना सदर में मामला दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार, 12 मई की रात करीब 10 बजे सुमित्रा अपने परिवार के साथ घर पर मौजूद थी। इसी दौरान घर के बाहर उसके बेटे बाबर के नाम से आवाज लगाई गई। सुमित्रा जब घर से बाहर निकली तो उसने देखा कि घर के बाहर एक कार खड़ी थी, जिसमें तीन-चार युवक सवार थे। आरोप है कि युवकों ने अचानक घर पर फायरिंग शुरू कर दी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान भगत पुत्र सुभाष निवासी किलोई, अक्षय पुत्र राकेश निवासी भिगाना (जींद) और अंकित पुत्र राजकुमार निवासी करेला (जींद) के रूप में हुई है। मुख्य आरोपी भगत पर 11 मामले दर्ज हैं।

ओटीपी, पासवर्ड और सीवीवी नंबर किसी के साथ साझा न करें: एसपी

रोहतक। साइबर अपराधों में बढ़ोतरी को देखते हुए रोहतक पुलिस ने लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष साइबर एडवाइजरी जारी की है। पुलिस अधीक्षक गौरव राजपुरोहित ने कहा कि ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया फ्रॉड और यूपीआई धोखाधड़ी के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने लोगों से ओटीपी, पासवर्ड और सीवीवी नंबर किसी के साथ साझा न करने की अपील की।

CSC CENTRE
REQUIREMENT
COMPUTER OPERATOR
2 (FEMALE)
Knowledge: Internet, Online Form, Portals Photoshop, MS Office
Experience Preferred
Name: Abhimanyu
& : 9812515432
Circular Road, Opposite Devi Vihar, Near Jhajjar Chungi, HP Petrol Pump, Rohtak

प्रदर्शन गोंडा में हुई प्रतियोगिता में म्हारे पहलवान छाए

71 किलो में सचिन ने स्वर्ण, रोहित ने रजत, दीपांशु व कपिल दहिया ने कांस्य पदक जीते

हरियाणा का अंडर-17 नेशनल रैंकिंग कुश्ती में शानदार प्रदर्शन, 22 पदक जीते

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भारतीय कुश्ती संघ की ओर शनिवार से तीन दिवसीय अंडर-17 नेशनल रैंकिंग कुश्ती प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। यह प्रतियोगिता उत्तरप्रदेश के गोंडा में आयोजित की जा रही है। इसमें हरियाणा के पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए करते हुए फ्री स्टाइल में 22 पदक जीते। इसमें 65 किलोग्राम भारवर्ग और 71 किलोग्राम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए हरियाणा के खिलाड़ियों ने स्वर्ण, रजत और कांस्य सहित तीनों पदक जीते। हरियाणा कुश्ती संघ के अध्यक्ष रमेश बोहर और कोच रणबीर ढाका ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने आगे भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

- 65 किलोग्राम भारवर्ग और 71 किलोग्राम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए हरियाणा के खिलाड़ियों ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते।
- हरियाणा कुश्ती संघ के अध्यक्ष और कोच रणबीर ढाका ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी।

ये रहे परिणाम

- 45 किलो में केशव ने रजत पदक जीता। 48 किलो में लक्ष्य ने स्वर्ण और उदित ढांगी ने कांस्य पदक पर कब्जा किया। 51 किलो में शुभम को स्वर्ण और अक्षित को कांस्य पदक मिला। 55 किलो में जतिन ढिल्लो ने स्वर्ण और आयुष ने कांस्य पदक जीता।
- 60 किलो वर्ग में हरियाणा ने क्लीन स्वीप किया, जिसमें सितेंदर ने स्वर्ण, जतिन शर्मा ने रजत, जबकि अरुण व तनिष ने कांस्य पदक झटका। 65 किलो में भी दबदबा कायम रखते हुए मयंक ने स्वर्ण, क्रिशन ने रजत और निशांत ने कांस्य पदक अपने नाम किया।
- 71 किलो में सचिन ने स्वर्ण, रोहित ने रजत, जबकि दीपांशु लाकड़ा व कपिल दहिया ने कांस्य पदक जीते। 92 किलो में अभिमन्यु ने रजत, और सुप्रीत व मुकुल दहिया ने कांस्य पदक हासिल किया। 110 किलो भारी वजन वर्ग में वीर ने शानदार खेल दिखाते हुए रजत पदक जीता।

कबाड़ गोदाम में आग लाखों का सामान जला

रोहतक। महम के हिसार बाईपास पर एक कबाड़ गोदाम में भीषण आग लगने से लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। आग लगने से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। जानकारी के अनुसार, गोदाम में रखे कबाड़ में अचानक आग लग गई, जो कुछ ही समय में विकराल रूप धारण कर गई। गोदाम में बड़ी मात्रा में ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग तेजी से फैलती चली गई।गोदाम मालिक जॉनी ने बताया कि पास से गुजर रही बिजली की तारों में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। गनीमत रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्रशासन ने मौके का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है।

- गोदाम मालिक ने शॉर्ट सर्किट को बताया आग लगने का कारण

गहराया पेयजल संकट: 500 से ज्यादा लोगा परेशान

अंडरपास निर्माण के दौरान टूटी पानी की पाइपलाइन

बाबा मस्तनाथ मठ के सामने कॉलोनियों के लोगों ने किया प्रदर्शन, निर्माण कार्य कुछ देर रुकवाया; विभाग ने मरम्मत कर बहाल की सप्लाई

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

दिल्ली रोड पर निर्माणाधीन अंडरपास के कार्य के दौरान पानी की मुख्य पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से बाबा मस्तनाथ मठ के सामने स्थित क्षेत्रों में पेयजल संकट पैदा हो गया। पाइपलाइन टूटने के कारण करीब 5 हजार से अधिक लोगों के घरों तक पानी की आपूर्ति नहीं पहुंच सकी। भीषण गर्मी के बीच पानी की सप्लाई बंद होने से लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिली। शनिवार को क्षेत्र के सैकड़ों महिला-पुरुष सड़क पर उतर आए और प्रशासन व संबंधित विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि पिछले कुछ समय से अंडरपास निर्माण कार्य चल रहा है, लेकिन कार्य के दौरान आवश्यक सावधानियां नहीं बरती जा रही हैं। इसी लापरवाही के चलते पानी की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे हजारों परिवारों को परेशानी का सामना करना पड़ा। लोगों ने आरोप लगाया कि गर्मी के मौसम में पानी की सप्लाई बाधित होने से घरेलू कार्यों के साथ-साथ पेयजल की भी गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई। गुस्साए लोगों ने निर्माण स्थल के पास एकत्र होकर नारेबाजी की और जल्द से जल्द पानी की सप्लाई बहाल करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कुछ समय के लिए अंडरपास निर्माण कार्य भी रुकवा दिया गया। महिलाओं ने कहा कि छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को पानी न मिलने से सबसे अधिक दिक्कत हो रही है। उन्होंने प्रशासन से भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस व्यवस्था करने की मांग की।

रोहतक। अंडरपास निर्माण के दौरान जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी से मिलने आई महिलाएं व ग्रामीण।

सूचना मिलने पर जनस्वास्थ्य विभाग की टीम ने पहुंचकर समाधान किया

प्रदर्शन की सूचना मिलने के बाद जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। विभाग की टीम ने क्षतिग्रस्त पाइपलाइन का निरीक्षण किया और तुरंत मरम्मत कार्य शुरू कर दिया। कई घंटों की मशक्कत के बाद टूटी हुई पाइपलाइन को जोड़ दिया गया और जलापूर्ति लाइन को दोबारा चालू कर दिया गया।

यह बोले अधिकारी

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि अंडरपास निर्माण के दौरान पाइपलाइन को नुकसान पहुंचा था, जिसे समय रहते ठीक कर लिया गया है। पानी की सप्लाई पुनः शुरू कर दी गई है और क्षेत्र में सामान्य जलापूर्ति बहाल करने के प्रयास किए गए हैं। अधिकारियों ने लोगों को आश्वस्त किया कि भविष्य में निर्माण कार्य के दौरान आवश्यक सावधानियां बरती जाएंगी ताकि जनसुविधाओं पर किसी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

हरिभूमि मेरा शहर मेरी समस्या पहल — जनता कॉलोनी

शिकायतों के बावजूद नहीं हो रही कार्रवाई

टूटे और धंसे सीवरेज ढक्कन बने खतरा, बारिश से पहले बढ़ी चिंता

> कई बार वाहन चालक गड्ढों को समय रहते नहीं देख पाते और दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

शहर की जनता कॉलोनी में सीवरेज चैंबरों के टूटे और धंसे हुए ढक्कन आमजन के लिए बड़ी परेशानी का कारण बनते जा रहे हैं। कई स्थानों पर सीवरेज के ढक्कन पूरी तरह टूट चुके हैं, जबकि कुछ जगहों पर ढक्कन अपने चैंबर के भीतर धंस गए हैं। इससे न केवल राहगीरों बल्कि दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस समस्या की जानकारी संबंधित विभाग को कई बार दी जा चुकी है, लेकिन अभी तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया है।

शहर की कई प्रमुख सड़कों, कॉलोनियों और बाजार क्षेत्रों में ऐसे सीवरेज चैंबर देखे जा सकते हैं, जहां ढक्कन क्षतिग्रस्त होने के कारण सड़क की सतह असमान हो गई है। कई बार वाहन चालक इन गड्ढों को समय रहते नहीं देख पाते और दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। विशेष रूप से रात के समय और खराब रोशनी वाले क्षेत्रों में यह समस्या और अधिक गंभीर हो जाती है। अब मानसून का मौसम नजदीक आने के साथ ही लोगों की चिंता बढ़ गई है। बारिश के दौरान सड़कों पर पानी भरने से टूटे और खुले चैंबर दिखाई नहीं देते, जिससे हादसों की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। पैदल चलने वाले लोग, बुजुर्ग, बच्चे और दोपहिया वाहन चालक सबसे अधिक जोखिम में रहते हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते इन ढक्कनों की मरम्मत या बदलने का कार्य नहीं किया गया तो बारिश के दौरान बड़ी दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

विभाग तुरंत करवाए मरम्मत

हमारे क्षेत्र में कई सीवरेज ढक्कन टूटे हुए हैं। कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। रात के समय वाहन चलाना जोखिम भरा हो गया है। विभाग को तुरंत इनकी मरम्मत करवानी चाहिए। -अनीता

बच्चों और बुजुर्गों को खतरा

बरसात शुरू होने वाली है और खुले चैंबर सबसे बड़ा खतरा बन सकते हैं। जिस से लोगों को खतरा बना रहता है। बच्चों और बुजुर्गों को लेकर हमेशा चिंता बनी रहती है। प्रशासन को इस समस्या को गंभीरता से लेना चाहिए। -रतनी

बन रहा हादसों का खतरा

सड़कों पर धंसे हुए ढक्कनों के कारण वाहन को नुकसान पहुंचता है। कई बार अचानक गड्ढा आने से संतुलन बिगड़ जाता है। बारिश में तो स्थिति और भी खराब हो जाएगी। -अनिल कुमार

मेरा शहर, मेरी समस्या कॉलम के जरिये आप भी रखें अपनी बात। अगर सेक्टर, गली-मोहल्ला, वार्ड, गांव और आसपास हैं समस्याओं से परेशान तो इस नंबर 9253681012 पर करें व्हाट्सएप। हम उठाएंगे आपका मुद्दा।

होटल एवं पर्यटन प्रबंधन संस्थान में होटल एवं पर्यटन के मास्टर्स पाठ्यक्रमों में दाखिले जारी

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के होटल एवं पर्यटन प्रबंधन संस्थान में होटल एवं पर्यटन के सत्र 2026–27 के मास्टर्स पाठ्यक्रमों के लिए दाखिले जारी हैं। आईएचटीएम के निदेशक प्रो. संदीप मलिक ने कहा कि इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हॉस्पिटैलिटी और टूरिज्म क्षेत्र आज वैश्विक करियर अवसरों का बड़ा माध्यम बन चुका है, जहां होटल, एयरलाइंस, ट्रैवल कंपनियों, इवेंट्स, क्रूज, डेस्टिनेशन मैनेजमेंट और उद्यमिता के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। प्रो. मलिक ने बताया कि इन दोनों पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए किसी भी संकाय से स्नातक/स्नातकोत्तर डिग्री में न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक आवश्यक हैं। हरियाणा के एससी/एसटी/दृष्टिबाधित एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए 42.75 प्रतिशत अंक की पात्रता रखी गई है। आवेदन की अंतिम तिथि 10 जून 2026 है। एमटीटीएम व एमएचएमसीटी के लिए प्रवेश परीक्षा 13 जुलाई 2026 को दोपहर 12:30 से 1:45 बजे तक एमडीयू रोहतक में आयोजित होगी।

शहर को स्वच्छ बनाने की नई पहल जहां लोग डालते थे कूड़ा वहां गाड़े टेंट

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

शहर को स्वच्छ, सुंदर और कचरा मुक्त बनाने की दिशा में नगर निगम ने एक नई और अभिनव पहल शुरू की है। अब शहर के बाजारों, मुख्य मार्गों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर जहां अक्सर कूड़े के ढेर दिखाई देते थे, वहां कचरा जमा होने से रोकने के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जाएंगी। नगर निगम आयुक्त नरेंद्र कुमार की पहल पर इन स्थानों पर अस्थायी बेंच लगाए जा चुके है और कहीं पर टेंट और सजावटी ढांचे स्थापित किए जा रहे है। ताकि लोग वहां कूड़ा फेंकने के बजाय उन स्थानों का उपयोग बैठने और विश्राम के लिए कर सकें। नगर निगम का मानना है कि केवल सफाई अभियान चलाने से ही शहर को स्वच्छ नहीं बनाया जा सकता, बल्कि लोगों की सोच और आदतों में भी बदलाव लाना आवश्यक है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए उन स्थानों की पहचान की जा रही है जहां बार-बार सफाई के बावजूद लोग कूड़ा डाल देते हैं।

शहर की स्वच्छता रैंकिंग में सुधार होगा

नगर निगम का लक्ष्य केवल कूड़ा हटाना नहीं, बल्कि शहर में स्वच्छता की स्थायी संस्कृति विकसित करना है। यदि लोग निर्धारित स्थानों पर ही कचरा डालेंगे और सार्वजनिक स्थलों को साफ रखने में सहयोग करेंगे तो शहर की स्वच्छता रैंकिंग में भी सुधार होगा।

स्वच्छता की स्थायी संस्कृति विकसित करना जरूरी

वार्ड 12 के सेक्टर-1 एवं सुनारिया चौक क्षेत्र में लंबे समय से खाली स्थान पर कूड़ा-कचरा डाले जाने की समस्या बनी हुई थी, जिससे आसपास गंदगी फैल रही थी। इस समस्या के समाधान के लिए संबंधित स्थान से समस्त कूड़ा हटाकर क्षेत्र की सफाई करवाई गई। साथ ही लोगों को दोबारा वहां कचरा डालने से रोकने के उद्देश्य से उस स्थान पर टेंट लगवा दिया गया है। इस पहल से क्षेत्र की स्वच्छता में सुधार होगा और नागरिकों को साफ-सुथरा वातावरण मिलेगा। लोगों से भी अपील की गई है कि वे सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा न डालें और स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें।

डस्टबिन जरूरी, इसके बिना सफाई अधूरी मुहिम के तहत कार्य करें

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

शहर की सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से सफाई शाखा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। मानसून को ध्यान रखते हुए निगम क्षेत्र में स्थित सभी बड़े एवं छोटे नालों की सफाई के लिए कार्य योजना के तहत कार्य किया जाएगा, प्रत्येक जोन एवं वार्ड स्तर पर निर्धारित शेड्यूल के अनुसार सफाई कार्य किया जाएगा, ताकि वर्षा के दौरान जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो तथा नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। आयुक्त नरेंद्र कुमार ने कहा कि नालों की सफाई के साथ-साथ यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि सफाई के बाद निकाली गई सिल्ट एवं कूड़े का समयबद्ध तरीके से उठान हो। अब नगर निगम की टीम गंदगी फैलाने वालो पर सख्ती से कार्यवाही करेंगी तथा गंदगी फैलाने वालो के चालान किए जाएंगे। टीम अब डस्टबीन है जरूरी इसके बिना सफाई है अधूरी मुहिम के तहत कार्य करेंगी क्योकि डस्टबीन यदि नहीं होगा तो गंदगी को इधर-उधर ही फैका जाएगा जिससे शहर में गंदगी फैलेगी। शहर के बाजारों, मुख्य मार्गों, सब्जी मंडियों तथा अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों में संचालित रेहड़ी-फड़ी संचालकों की भी स्वच्छता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी रेहड़ी-फड़ी संचालकों को भी डस्टबिन रखना होगा ताकि ग्राहकों द्वारा उत्पन्न कूड़े का उचित निस्तारण हो सके।

रोहतक। अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा–निर्देश देते नरेंद्र कुमार।

बीएससी जेनेटिक्स में सीटों के 12 गुणा आवेदन आए

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

स्टूडेंट गाइड

- एलएलबी ऑनर्स में 2406 आवेदन आए

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के विभिन्न स्नातक और इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने के लिए छात्र-छात्राओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। यूजी कोर्स में आवेदन की अंतिम तिथि सात जून है। इसमें सबसे ज्यादा क्रेज कानून की पढ़ाई (एलएलबी) को लेकर देखा जा रहा है। एलएलबी (ऑनर्स) 5-वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स की 360 सीटों के पर 2,406 आवेदन आए हैं। इसी तरह एलएलबी (ऑनर्स) 3-वर्षीय कोर्स की 240 सीटों के लिए भी 633 विद्यार्थियों ने आवेदन किए है। बीएससी जेनेटिक्स में एक सीट 12 गुणा आवेदन आए हैं। बीएससी जेनेटिक्स में 30 सीटों पर 360 आवेदन आए है।

यूजी के कोर्स और आवेदकों का विवरण

कोर्स का नाम	कुल सीटें	कुल आवेदक
एलएलबी ऑनर्स पांच साल	360	2406
बीसीए	160	838
बीबीए	180	757
एलएलबी ऑनर्स 3-साल	240	633
बीकॉम 4-साल	60	570
बैचलर ऑफ अंग्रेजी	60	416
बैचलर ऑफ मैथ्स	120	396
बैचलर ऑफ इतिहास	60	408
बैचलर ऑफ जेनेटिक्स	30	362
बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स	30	225
बैचलर ऑफ लोक प्रशासन	60	219
बैचलर ऑफ अर्थशास्त	60	179
बीपीएड	100	159
बैचलर ऑफ स्टैटिस्टिक्स	60	155
बैचलर इन पब्लिक हेल्थ साइंसेज	30	131

स्नातकीय पाठ्यक्रमों में आवेदन की अंतिम तिथि आज

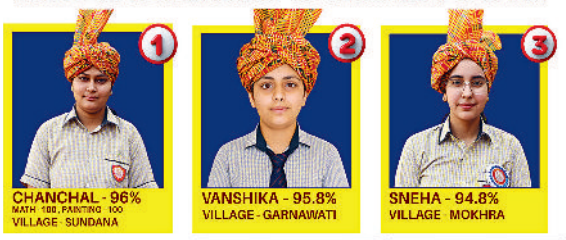

रोहतक। महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-2027 हेतु विभिन्न स्नातकीय पाठ्यक्रमों में आवेदन प्रक्रिया अंतिम चरण में है। विवि के इन पाठ्यक्रमों में आवेदन की अंतिम तिथि 7 जून है। विश्वविद्यालय के निदेशक जनसंपर्क सुनित मुखर्जी ने बताया कि बारहवीं कक्षा उपरांत विद्यार्थियों के लिए मदवि में कॅरियर के अनेक विकल्प हैं। उन्होंने बताया कि इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आनॅलाइन आवेदन भरे जा रहें है , जिसकी अंतिम तिथि 7 जून है। एमडीयू में यूटीडी में चार वर्षीय पाठ्यक्रमों में बीसीए में 160 सीटें, बीए-अंग्रेजी में 60 सीटें, बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स-पेंटिंग में 30 सीटें, बैचलर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी में 60 सीटें, बैचलर ऑफ टूरिज्म एंड ट्रेवल मैनेजमेंट में 60 सीटें, बीबीए में 120 सीटें, बीबीए हॉस्पिटिलिटी एंड सर्विसेज मैनेजमेंट में 30 सीटें, बीएससी-गणित में 60 सीटें, बीएससी गणित एसएफएस में 60 सीटें, बीएससी-सांख्यिकी में 60 सीटें, बीए-इतिहास में 60 सीटें, बीए-अर्थशास्त्र में 60 सीटें, बीए-लोक प्रशासन में 60 सीटें, बीपीएचएस में 30, बीएससी-जेनेटिक्स में 30 सीटें उपलब्ध हैं।

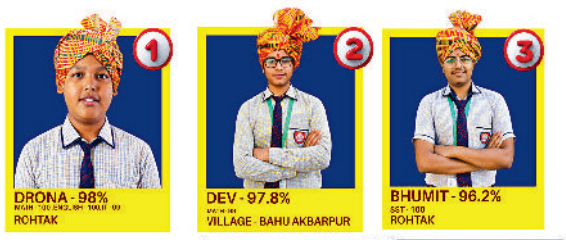

एमडीयू में मैक्सोप इंजीनियरिंग का कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव कल

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (यूआईईटी) और करियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा 8 जून को मैक्सोप इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड का कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित किया जाएगा। कंपनी ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी पदों के लिए भर्ती करेगी। इस कार्यक्रम में बी.टेक./एम.टेक. (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) के 2025 और 2026 बैच के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। चयनित विद्यार्थियों को 5 लाख वार्षिक वेतन पैकेज दिया जाएगा। नौकरी का स्थान मानेसर, जयपुर और भिवाड़ी रहेगा। यूआईईटी केप्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी अरुण कुमार ने बताया कि प्लेसमेंट प्रक्रिया यूआईईटी प्रशासनिक भवन के प्रथम तल स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित की जाएगी। इसमें प्री-प्लेसमेंट टॉक और ऑनलाइन इंटरव्यू शामिल होंगे। यूआईईटी के निदेशक प्रो. विनीत कुमार सिंगला ने कहा कि संस्थान विद्यार्थियों को बेहतर रोजगार अवसर उपलब्ध कराने के लिए उद्योगों के साथ लगातार जुड़ रहा है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026
रोमांच-जुनून का ग्रैंड इवेंट

48 देशों के 1248 खिलाड़ी, फीफा वर्ल्ड कप-2026 को हासिल करने के लिए आगामी 11 जून से 19 जुलाई तक एक-दूसरे से मुकाबला करेंगे। इस दौरान सिर्फ आयोजक देशों में ही नहीं पूरी दुनिया में रोमांच और जुनून का सुरूर छाया रहेगा। इस ग्रैंड ग्लोबल स्पोर्ट इवेंट में इस बार क्या कुछ होगा खास, क्या होगा पहली बार, इसके तमाम पहलुओं पर एक नजर।

कवर स्टोरी
साशा

इसी सप्ताह 11 जून से फुटबॉल के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन फीफा वर्ल्ड कप का आगाज हो रहा है, जो 19 जुलाई 2026 तक चलेगा। 11 जून से 19 जुलाई 2026 के बीच दुनिया फुटबॉल के रंग में रंगी रहेगी। भले भारत की फुटबॉल टीम अब तक के बेस्ट 48 टीमों वाले विश्व कप का हिस्सा न हो, लेकिन भारत भी इस जुनून का हिस्सा होगा। भारत में इस दौरान तूफानी दिन नहीं रातें होंगी, क्योंकि अमेरिका और लैटिन अमेरिका में फीफा वर्ल्ड कप के मैच जब खेले जाएंगे, उस समय भारत में दिन नहीं रात होगी।

दिखेगा खेलप्रेमियों का उमंग

फुटबॉल के इस विश्व कप को लेकर पूरी दुनिया में गहमा-गहमी अपने चरम पर पहुंच चुकी है। क्योंकि फुटबॉल के तूफान का रिश्ता सिर्फ खेल भर से नहीं होता, वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था, संचार, तकनीक, वैश्वीकरण, पर्यटन आदि से भी इसका उतना ही संबंध होता है, जितना खेल से। यही कारण है कि दुनिया की धड़कनें फुटबॉल को लेकर बहुत तेज हो चुकी हैं। आने वाले दिनों में स्टेडियमों की रोशनी आसमान को बार-बार चमकाती दिखाई देगी। सड़कों पर रात-रात भर जश्न होगा। करोड़ों और कई बार तो अरबों लोग एक साथ टीवी स्क्रीन से चिपके होंगे।

जुनून का महाविस्फोट

केवल रियल वर्ल्ड में ही नहीं सोशल मीडिया पर भी आगामी दिनों में हर दिन नया इतिहास लिखा जाएगा और ऐसा हो भी क्यों न? दुनिया का सबसे बड़ा खेल महाकुंभ के आयोजन में ऐसा होना स्वाभाविक ही है। जानकार जानते हैं कि यह सिर्फ फुटबॉल के रोमांच की उमंग भर नहीं होगी, इसमें शामिल होंगे भावनाओं के ज्वार-भाटे, राष्ट्रवाद, तकनीक, अरबों डॉलर का कारोबार, इस सबके चलते ग्लैमर और जुनून का महाविस्फोट साबित होगा 2026 का फीफा वर्ल्ड कप।

तीन देशों में होगा आयोजन

शायद यह अकेली ऐसी खेल घटना होगी, जिसकी गूंज इस वर्ल्ड कप के दौरान दुनिया के हर कोने में सुनी जाएगी। इस बार तो ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि आज तक कभी भी 48 फुटबॉल टीमें एक साथ विश्व कप को जीतने मैदान में नहीं उतरी थीं। सिर्फ यही इस महाकुंभ की खासियत नहीं होगी बल्कि पहली बार इस खेल महाकुंभ का आयोजक कोई एक देश या दो देश नहीं बल्कि तीन देश होंगे। जी हां, जून 2026 से शुरू हो रहे फीफा वर्ल्ड कप फुटबॉल के मेजबान अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको होंगे यानी सही मायनों में यह रोमांच का ग्लोबल कर्निवाल होगा।

होंगे नए मेगा ग्लोबल एक्सपीरियंस

आकार में यह फुटबॉल विश्व कप अब तक सबसे बड़ा आयोजन होगा, क्योंकि इसमें 48 टीमें भाग ले रही हैं, जिनके 104 मुकाबले होंगे। इसके हर मुकाबले को देखने के लिए लाखों दर्शक स्टेडियमों में और करोड़ों टीवी स्क्रीन से सटे होंगे। अरबों लोग इसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फॉलो करेंगे और हां, इस बार के फुटबॉल विश्व कप को जितने विज्ञापन मिले हैं और जितनी स्पोंसरशिप इस कप को मिली है, उतने विज्ञापन और स्पोंसरशिप आजतक दुनिया के किसी भी बड़े से बड़े टूर्नामेंट को नसीब नहीं हुए।

यह सचमुच फीफा के इतिहास का मेगा ग्लोबल एक्सपीरियंस होगा। यह ऐसा विश्व कप होगा, जिसमें एआई आधारित कैमरे, रियल टाइम डेटा एनालिसिस, स्मार्ट स्टेडियम और अत्याधुनिक प्रसारण तकनीक बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होगी यानी दर्शक सिर्फ मैच नहीं देखेंगे डिजिटल फुटबॉल के रोमांच से भी दो-चार होंगे। शायद इसलिए अब कहा जा रहा है फुटबॉल खेल नहीं, अब यह एक विश्व संस्कृति बन चुकी है और ऐसा हो भी क्यों न, फुटबॉल के अलावा और भला कौन-सा ऐसा खेल है, जो अमीर-गरीब, भाषा-धर्म और सीमाओं से उठकर लोगों को जोड़ देता है। ब्राजील की गलियों से लेकर अफ्रीका के गांवों तक यूरोप के पबों से लेकर भारत के कस्बों तक इस आगामी एक महीने तक हर जगह फुटबॉल का यह जुनून दिखेगा।

इकोनॉमी को मिलेगा बूम

इस बार का विश्व कप अरबों डॉलर फुटबॉल इकोनॉमी का मॉडल भी होगा यानी, यह केवल खेल नहीं बल्कि विशाल आर्थिक इंजन भी होगा। विशेषज्ञों के मुताबिक 2026 का फुटबॉल विश्व कप पर्यटन उद्योग, होटल व्यवसाय, एयरलाइंस, विज्ञापन, स्पोर्ट्स मर्चेनडाइज और डिजिटल स्ट्रीमिंग में रिकॉर्ड कारोबार पैदा करेगा।

भारत में भी बढ़ रही दीवानगी

खुशी की बात यह है कि भारत में भी फुटबॉल करवट ले रहा है। पिछले दशक में फुटबॉल का जुनून तेजी से बढ़ा है। इंडियन सुपर लीग और यूरोपीय क्लब फुटबॉल की लोकप्रियता में युवाओं में इस खेल को लेकर एक नई तरह की दीवानगी पैदा हुई है। केरल, पश्चिम बंगाल, गोवा और उत्तर-पूर्व के राज्यों में तो विश्व कप के दौरान किसी त्योहार के माफिक माहौल हो जाता है।

कई गांवों में तो ब्राजील और अर्जेंटीना के झंडे तक दिखाई देते हैं। यह राष्ट्रवाद के साथ कोई विश्वासघात नहीं बल्कि फुटबॉल के जुनून का नशा है। इस दौरान भारत में भी पूरे समय फुटबॉल का जुनून देखने को मिलेगा। दर्शकों और डिजिटल व्यूअरशिप की एक महाशक्ति है अपना देश, इस लिहाज से भारत भी इस विश्व कप का बड़ा और अंतरंग हिस्सा होगा। *

रोनाल्डो का होगा आखिरी वर्ल्ड कप!

2022 के फुटबॉल विश्व कप को लोगों ने लियोनेल मैसी के जादू के रूप में याद रखा। लेकिन 2026 का विश्व कप शायद नई पीढ़ी के उदय का मंच होगा। यह वह महाकुंभ होगा, जहां नई पीढ़ी अपने आगाज का शंखनाद करेगी और इस बार दुनिया की नजरें खासतौर पर इन खिलाड़ियों पर रहेंगी- क्यालियन मबापे, जूड बेलिंघम, एर्लिंग हालैंड और विनीसियस जूनियर। फुटबॉल के जानकार मान रहे हैं कि 2026 का फीफा विश्व कप पोस्ट मैसी-रोनाल्डो युग की असली शुरुआत होगा। हालांकि करोड़ों प्रशंसकों की उम्मीद है कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो आखिरी बार विश्व कप में दिखेंगे। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह सौ फीसदी उम्मीद है कि रोनाल्डो अपना आखिरी विश्व कप खेलेंगे, जो कि संभवतः उनके करियर का आखिरी वर्ल्ड कप होगा। उनके होने की अभी तक उम्मीद इसलिए बरकरार है, क्योंकि वह लगातार पुर्तगाल की टीम का हिस्सा बने हुए हैं और पुर्तगाल ने विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। हाल में ईफा नेशनल लीग में भी रोनाल्डो ने शानदार प्रदर्शन किया है। इससे भी उनके होने की उम्मीद बनती है और ऐसा हुआ तो वह रिकॉर्ड छठा फीफा वर्ल्ड कप खेलेंगे। इसके पहले वह 2006, 2010, 2014, 2018 और 2022 का विश्व कप भी खेल चुके हैं। तो उम्मीद करिए कि यह रोनाल्डो की अंतिम महान यात्रा हो। पुर्तगाल के कप्तान ब्रूनो फर्नांडिस ने भी कहा है कि टीम रोनाल्डो को विश्व कप ट्रॉफी देकर विदा करेगी। दो दशकों से अधिक से रोनाल्डो इस महान खेल का हिस्स हैं, उन्होंने खेल से मिलने वाली लगभग हर चीज हासिल कर ली है। विभिन्न देशों के लीग खिताब, चैंपियंस लीग, बैलोन डि'ओर, अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड और एक ऐसा करियर जो 25वें सीजन तक फैला हुआ है और एक हजार गोलों की ओर बढ़ रहा है।

कविता
पुरुषोत्तम व्यास

पारिजात के फूल

बड़ा अजीब-सा महसूस करता
जब से उनके बारे में
जान पाया
निशा में खिलते
भोर में जाते झर
लगता
निशा में कोई उनसे अनुराग भरी
बातें करता होगा
सुबह फिर मिलने का वादा कर
चला जाता होगा
उसी प्रेम की याद में झर जाते होंगे
फिर भी
खिले-खिले मनभावन खुशबू लेकर
स्वर्ग लोक के फूल।

लघुकथा / संजीव ठाकुर

दुकानदार

एआई इमेज

वह कपड़ों की दुकान थी, जिसमें ज्यादातर पुरुषों के लिए पैंट और शर्ट के कपड़े मिलते थे। एक ग्राहक अकसर उस दुकान पर आया करता था। एक बार जब वह अपने लिए पैंट-शर्ट के कपड़े खरीद चुका, दुकानदार बोला, 'और कुछ चाहिए सर? हमारे यहां ओढ़ने-बिछाने की चादरें भी मिलती हैं। आप देखना चाहेंगे? शहर की किसी भी दुकान की तुलना में यहां चादरें आपको सस्ती पड़ेंगी! डबल बेड की चादरें दिखाऊं?' ग्राहक बहुत दिनों से ओढ़ने की चादरें लेना चाह रहा था, लेकिन उसे ढंग की चादरें नहीं मिल रही थीं। वह बोला, 'डबल बेड की तो रहने दीजिए, ओढ़ने की दिखाइए।' दुकानदार ने अपने स्टाफ से चादरें मंगवाईं और चादरों की तारीफ करते हुए ग्राहक को दिखाने लगा, 'देखिए, इसकी क्वालिटी देखिए-ए वन!' ग्राहक ने सिंगल कलर की चादरें लेने की सोच रखी थी, लेकिन चादर के एक ओर डिजाइन बना देखकर उसका मन डोलने लगा। उसने दुकानदार से कहा, 'यह तो मुझे ओढ़ने की नहीं बिछाने की चादर लग रही है!'

'नहीं सर, ओढ़ने की ही है। ये देखिए, इसके चारों किनारों को किस तरह सिला गया है?' ग्राहक का मन डोल ही रहा था कि दुकानदार ने चादरों की कीमत बता दी, 'सिर्फ साढ़े चार सौ में दो चादरें हैं सर!' चादरों की कीमत सुनकर ग्राहक को सुखद आश्चर्य हुआ। सचमुच इतनी कम कीमत में चादरों का मिलना मुश्किल था। उसने दुकानदार से पचास रुपए कम करवाकर चादरें ले लीं। कुछ महीनों बाद उसी ग्राहक को बिछाने की चादरों की दरकार हुई। वह उसी दुकान पर पहुंच गया। डबल बेड की दो चादरें लेने के बाद उसने सिंगल बेड पर बिछाने की चादरें दिखाने को कहा। दुकानदार ने चादरें मंगवाईं। ग्राहक उन्हें देखते ही बोला, 'ये बिछाने की हैं? पिछली बार तो आपने इसे ओढ़ने की कहकर मुझे दिया था?' 'ये चीज ही ऐसी है सर कि इसे ओढ़ने, बिछाने, दोनों कामों में लाया जा सकता है।' दुकानदार ने कहा और अपनी खीसें निपोर दीं! *

व्यंग्य / विनोद कुमार विक्की

कैमरा ऑन, स्माइल प्लीज!

अगली बार जब कोई कहे 'स्माइल प्लीज', तो समझ जाइए आपको कोई खुशी नहीं दी जा रही, आपकी 'छवि' ली जा रही है। आप खुश हों या न हों, अगर कैमरा सामने ऑन हो तो मुस्कुराना ही होगा।

गहन शोध, आधे-अधूरे निष्कर्ष और पूरे आत्मविश्वास के साथ यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि एक फिल्म का लोकप्रिय गीत 'मुस्कुराने की वजह तुम हो' वाला 'तुम' कोई इंसानी काया नहीं, बल्कि एक प्रभावशाली, किंतु भावशून्य उपकरण है। नब्बे फीसदी इंसान सिर्फ इसी उपकरण के सामने मुस्कुराते हैं। यह उपकरण कुछ और नहीं बल्कि कैमरा है। जी हां, वही कैमरा, जिसके सामने आते ही इंसान अपने समस्त दुःख-दर्द को ऐसे समेट लेता है, जैसे आम चुनाव के भाषण में नेताजी पिछले वर्ष की अधूरी घोषणाओं को समेट लेते हैं, और सरकार वित्तीय बजट में घाटा समेटती है। जैसे ही पेशेवर स्टूडियो के फोटोग्राफर द्वारा 'स्माइल प्लीज' का निर्देश प्राप्त होता है, या सेल्फी स्टिक पर टिके मोबाइल का फ्रंट कैमरा ऑन होता है, चेहरे पर जमी चिंता की धूल झट से उड़ जाती है और होंठों पर 3 से 5 सेंटीमीटर की मानक मुस्कान स्वतः चिपक जाती है।

यह मुस्कान इतनी अनुशासित होती है कि जाति, धर्म, लिंग, रंग, सब सीमाएं पार कर जाती है। नर, मादा, अन्य, काला, गोरा, सांवला आदि सबके चेहरे पर एक समान 'फोटो फ्रेंडली' लोकतंत्र दिखाई देता है। परंतु विडंबना देखिए, यह मुस्कान उतनी ही टिकाऊ होती है, जितने चुनावी वादे।

क्लिक होते ही मुस्कान का पुष्पक विमान सीधे वास्तविकता की शोक-वाटिका में क्रैश लैंडिंग कर देता है। फोटो में हम जितने खुश दिखते हैं, असलियत में उतने ही ईएमआई, महंगाई और बॉस के व्हाट्सएप मैसेज से त्रस्त होते हैं। उम्र से पहले ही जिम्मेदारी और परेशानियों के कारण चेहरे पर झुर्रियों की लक्ष्मण रेखाएं खिंच जाती हैं। सच तो यही है कि आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में मुस्कुराना एक 'इवेंट' बन चुका है, जो मुख्यतः कैमरे के सामने ही आयोजित होता है। लगता है जैसे भाग-दौड़ भरी जिंदगी और अति व्यस्तता के बीच मुस्कान ने स्वैच्छिक अवकाश ले रखा है।

कार्यालय में काम का दबाव, वरीय पदाधिकारी का तनाव, घर में 'घरेलू प्रेशर', बाजार की महंगाई और बैंक की ईएमआई, इन सबने मिलकर होंठों की नैसर्गिक पहचान यानी, मुस्कान को जैसे गिरवी रख दिया है। ऐसे में बेचारा इंसान जब-तब मुस्कुराने के लिए अवसर ढूंढ़ता फिरता रहता है। तभी संकटमोचक बनकर प्रकट होता है, कैमरा! वह बिना किसी शर्त के प्रेमी-प्रेमिका की भूमिका निभाते हुए सामने खड़ा हो जाता है और कहता है, 'आओ, लल्ला कुछ सेकेंड के लिए थोबड़े पर मुस्कुराहट लाओ ताकि हम उस छवि को कैद कर सकें।' बस फिर क्या, जो मुस्कान बेमियादी हड़ताल पर थी, वह भी तुरंत एक्टिव हो जाती है और चेहरे पर 'इमरजेंसी स्माइल' आ जाती है।

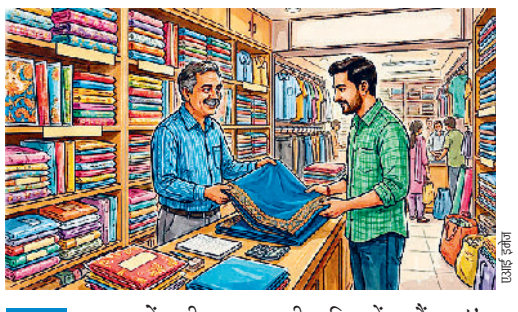

मजेदार बात यह है कि कैमरे के कारण हमें नकली मुस्कान हासिल होती है, जबकि कुछ घटनाएं स्वाभाविक (नेचुरल) मुस्कान का अवसर भी प्रदान करती हैं। दूसरों की असफलताओं पर, पड़ोसियों को दुःखी देखकर अथवा रिश्तेदारों के नुकसान या पतन पर भी एक हल्की-सी 'आंतरिक मुस्कान' जरूर उग आती है, जिसे हम सामाजिक संतुलन बनाए रखने के लिए चेहरे पर प्रकट नहीं होने देते। आत्मिक सुख के साथ हम मन ही मन उसका आनंद लेते रहते हैं। यद्यपि चलते-फिरते किसी परिचित चेहरे से सामना होने पर भी मुस्कुराने का अभिनय किया जाता है।

मुस्कुराहट के नवीनीकरण की जिम्मेदारी अब तो शहर में लगी तख्तियों ने अपने ऊपर ले रखी है, 'मुस्कुराइए, आप झुमरीतलैया में हैं', 'मुस्कुराइए, आप हाईटेक स्माइल सिटी में हैं!' असल में ये कोई साधारण संदेश नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अनुस्मारक हैं, 'भाई, यहां मुस्कुराना मत भूल जाना, वरना लोग पहचान लेंगे कि तुम सच में परेशान हो!' मनोचिकित्सक भी सलाह देते हैं, 'हंसते रहिए, मुस्कुराते रहिए।' इसी सलाह को उद्योग का रूप देते हुए लाफ्टर शो, हास्य कवि सम्मेलन और अब रील संस्कृति भी मैदान में उतर चुकी है। लोग हंसने के लिए वीडियो देखते हैं और वीडियो बनाने के लिए हंसते हैं, यह एक आत्मनिर्भर चक्र है। मुस्कान अब भाव नहीं, एक 'प्रोजेक्ट' बन चुकी है, जिसका उद्घाटन कैमरे के सामने होता है और समापन तुरंत बाद। इसलिए अगली बार जब कोई कहे 'स्माइल प्लीज', तो समझ जाइए आपको खुशी नहीं दी जा रही, आपकी 'छवि' ली जा रही है। अंततः निष्कर्ष यही है कि आप खुश हों या न हों, अगर कैमरा सामने ऑन हो तो मुस्कुराना ही होगा। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

स्मृतियों की कतरनें

वरिष्ठ साहित्यकार नवनीत मिश्र के छोटे-छोटे संस्मरणों की किताब 'कितना कुछ तो है' हाल में प्रकाशित होकर आई है। इसमें उन्होंने अपने बचपन से लेकर वर्तमान समय तक की छोटी-छोटी मधुर स्मृतियों की कतरनों को बहुत सलीके से संजोया है। इनसे गुजरते हुए यह साबित होता है कि उनके भीतर का सजग लेखक हमेशा, गहन संवेदनशीलता के साथ अपने जीवन में घटित होने वाली घटनाओं और लोगों को देखता, महसूसता और उनके संग जीता रहा है। इन संस्मरणों को लिखने का अंदाज कहीं भी बनावटी नजर नहीं आता है। अपने भीतर के कमजोर पक्षों को भी उन्होंने पूरी ईमानदारी से स्वीकार किया है। 'बहिन जी', 'चोर पकड़ा गया' और 'एक थे पलाली बाबू' में उनके बचपन की मासूमियत भरी छवि उजागर हुई है तो युवावस्था में कार्यक्षेत्र में 'रहमान साहब' जैसे लोगों ने उनको प्रभावित किया। इसी तरह रिटायरमेंट के बाद कार ड्राइविंग सीखने के दौरान प्रशिक्षक से मिला अनुभव 'बैकव्यू मिरर' भी वे भूल नहीं पाए।

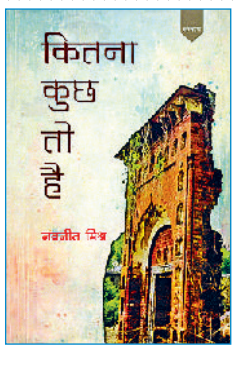

आमतौर पर साहित्यिक संस्मरण प्रसिद्ध हस्तियों पर केंद्रित होते हैं, लेकिन इस पुस्तक के संस्मरणों में जिस तरह से लेखक ने अपने जीवन में शामिल रहे सामान्य लोगों को सहृदयता से याद किया है, वह उनके भावुक व्यक्तित्व का परिचायक है। अपनी कहानियों की ही तरह बहुत सरल, सहज शैली में लिखे उनके ये संस्मरण, मन को छू लेते हैं। यह भी कह सकते हैं कि इन संस्मरणों में नवनीत जी की आत्मकथा स्पष्ट तौर पर झांकती हुई नजर आती है। *

पुस्तक: कितना कुछ तो है (संस्मरण), **लेखक:** नवनीत मिश्र, **मूल्य:** 450 रुपए, **प्रकाशक:** भावना प्रकाशन, दिल्ली

शिमला समर फेस्टिवल – 2026

सजेगी सांस्कृतिक रंगों की छटा

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में आयोजित होने वाले सबसे बड़े सांस्कृतिक उत्सवों में से एक है इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल। कल से शुरू हो रहे इस आयोजन में देश-विदेश के पर्यटक हिमाचल समेत देश की विविधरंगी संस्कृति की मोहक छटा से रूबरू हो सकेंगे। इस आयोजन की खासियतों पर एक नजर।

कल्चरल इवेंट
धीरज बसाक

जून की तपती गर्मी जब उत्तर भारत के मैदानी इलाकों को झुलसाने लगती है, तब हिमालय की गोद में बसा शिमला रंगों, संगीत और लोक संस्कृति के एक उत्सवी खुमार में डूब जाता है। आगामी 8 से 12 जून तक आयोजित होने वाला इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल इस बार केवल एक पर्यटन आयोजन नहीं बल्कि हिमाचल की सांस्कृतिक पहचान और लोकजीवन का एक बड़ा उत्सव बनकर सामने आ रहा है।

साढ़े छह दशक पुराना उत्सव: शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान और माल रोड पर होने वाला यह पांच दिनों का सांस्कृतिक महोत्सव, देशभर के पर्यटकों, कलाकारों और संस्कृति प्रेमियों को आकर्षित करता है। सन् 1960 में शुरू हुआ यह उत्सव, हिमाचल प्रदेश के सबसे पुराने सांस्कृतिक आयोजनों में से एक है। इसकी शुरुआत राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय संस्कृति को मंच देने के उद्देश्य से की गई थी। समय के साथ यह आयोजन इतना लोकप्रिय हो गया कि आज इसे उत्तर भारत के प्रमुख ग्रीष्मकालीन सांस्कृतिक महोत्सवों में गिना जाता है।

शिमला समर फेस्टिवल इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उस भारत की तस्वीर प्रस्तुत करता है, जो आधुनिकता के साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों को भी संजोए रखना चाहता है। हिमालय की ठंडी हवाओं के बीच लोकनृत्य, संगीत, कला और परंपरा का यह संगम साबित करता है कि संस्कृति केवल इतिहास नहीं बल्कि वर्तमान और भविष्य की बड़ी ताकत है।

सांस्कृतिक विविधता के होंगे दर्शन: शिमला समर फेस्टिवल की सबसे बड़ी पहचान उसकी सांस्कृतिक विविधता है। यहां केवल हिमाचली लोककला ही नहीं बल्कि देश के विभिन्न राज्यों की लोक परंपराएं भी एक मंच पर दिखाई देती हैं। इस बार उत्तराखंड का चोलिया नृत्य, जम्मू-कश्मीर का गोजरी नृत्य, राजस्थान का भवई और घूमर नृत्य के साथ ही तिब्बती सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को भी शामिल किया जाएगा। इससे यह आयोजन देश की मिली-जुली संस्कृतियों की झांकी दिखाएगा। हिमाचल की प्रसिद्ध महानाटी और पारंपरिक नाटी नृत्य इस उत्सव का मुख्य आकर्षण माने जाते हैं। नाटी केवल एक लोकनृत्य नहीं बल्कि पहाड़ी समाज की सामूहिक सांस्कृतिक स्मृति है, जब सैकड़ों कलाकार एक साथ पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य करते हैं, तो पूरा रिज मैदान जीवंत लोकचित्र में बदल जाता है। यही दृश्य हर वर्ष हजारों पर्यटकों को आकर्षित करता है।

नाटी लोकनृत्य करते स्थानीय कलाकार

होता है विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

आयोजित होते हैं ट्रेडिशनल फैशन शोज

माल रोड पर फेस्टिवल का विहंगम दृश्य

कलाकारों को मिलेगा अवसर: आयोजकों के अनुसार, इस साल लोकप्रिय गायकों और लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां हर शाम आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा युवा कलाकारों को भी मंच दिया जाएगा। आयोजन के दौरान इस तरह की पहल स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय पहचान दिलाने में मदद करेगी।

अर्थव्यवस्था में योगदान: यह उत्सव केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है। इसके माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। होटल, टैक्सी, रेस्त्रां, हस्तशिल्प व्यवसाय और स्थानीय बाजारों में पर्यटकों की संख्या बढ़ने से आय में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। शिमला का प्रसिद्ध लक्कड़ बाजार, हस्तनिर्मित लकड़ी के उत्पादों और स्थानीय शॉलों के लिए जाना जाता है, जहां इस दौरान काफी भीड़ दिखाई देती है। फूड फेस्टिवल भी इस आयोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां पर पर्यटकों को पारंपरिक हिमाचली व्यंजन जैसे सिड्डू, मदरा, बबरू और धाम का स्वाद लेने का अवसर मिलता है।

सांस्कृतिक संरक्षण का महत्वपूर्ण माध्यम: शिमला समर फेस्टिवल, केवल एक पर्यटन कार्यक्रम नहीं है बल्कि यह सांस्कृतिक संरक्षण का महत्वपूर्ण माध्यम है। तेजी से बदलती जीवनशैली और डिजिटल मनोरंजन के दौर में ऐसे आयोजन स्थानीय परंपराओं को जीवित रखने का काम करते हैं। युवा पीढ़ी यहां लोकनृत्य, लोकसंगीत और क्षेत्रीय कलाओं से परिचित होती है, जिससे सांस्कृतिक विरासत आगे बढ़ती है। शिमला का रिज मैदान ब्रिटिश काल से ही विभिन्न तरह की सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र रहा है। यह ऐतिहासिक स्थल आज भी शहर की सांस्कृतिक पहचान बना हुआ है। इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल के दौरान जब शाम ढलते ही रोशनी से जगमगाता रिज मैदान, लोकसंगीत की धुनों से गूंजता है तो शिमला ही नहीं पूरे हिमाचल प्रदेश की उत्सवधर्मिता देखते ही बनती है। *

खास है इस बार का आयोजन

इस साल का इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल, कई दृष्टियों से खास और अलग होगा। इस आयोजन में लोकनृत्य, संगीत प्रस्तुतियां, कला प्रदर्शनियां, फ्लावर शो, फूड फेस्टिवल, ट्रेडिशनल माउंटेनियरिंग फैशन शो और विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलकियां देखने को मिलेंगी। इसके साथ ही पहली बार 'राइड ऑफ सेवन हिल्स' नामक हेलिकॉप्टर जॉय राइड भी शामिल की जा रही है, जिसके जरिए पर्यटक शिमला की सात पहाड़ियों का हवाई दृश्य देख सकेंगे।

सेल्फ मोटिवेशन
शिखर चंद जैन

सफलता पाने के लिए टैलेंट और हार्ड वर्क तो जरूरी है ही, इसके साथ बिहेवियर कल्चर यानी व्यवहार संस्कृति भी मायने रखती है। क्या है बिहेवियर कल्चर, सक्सेस में क्या होती है इसकी भूमिका, आपको जरूर जानना चाहिए।

सक्सेस के लिए वर्क के साथ बिहेवियर कल्चर भी जरूरी

अधिकांश लोग मानते हैं कि सफलता सिर्फ प्रतिभाशाली यानी टैलेंटेड लोगों को ही मिलती है। लेकिन सच यह है कि सफलता सिर्फ टैलेंट से नहीं, बल्कि वर्क और बिहेवियर कल्चर से भी प्रभावित होती है। इन दोनों क्वालिटीज को अपनाकर एक औसत दर्जे का व्यक्ति या ऐसे लोगों की टीम भी सफलता हासिल कर सकती है। 'वर्क कल्चर' के बारे में तो लोग फिर भी जानते हैं लेकिन बिहेवियर कल्चर यानी व्यवहार संस्कृति को लेकर आपके मन में जिज्ञासा हो सकती है, इसलिए इसे समझना भी जरूरी है।

क्या होता है बिहेवियर कल्चर

बिहेवियर कल्चर का तात्पर्य उन तौर-तरीकों, सामाजिक मानदंडों, मूल्यों और आचरण के नियमों से है, जो किसी समाज या समूह में व्यक्तियों के एक-दूसरे के साथ बातचीत करने और प्रतिक्रिया देने के तरीके को निर्मित करते हैं। डैनियल कॉयल ने अपनी पुस्तक 'द कल्चर कोड' में बेहतरीन टीमों और समूहों के सफल होने के पीछे के रहस्यों को उजागर किया है। डैनियल ने दुनिया की सबसे सफल टीमों का अध्ययन कर पाया कि उनकी सफलता तीन स्तंभों पर टिकी है-

सुरक्षा का निर्माण: टीम के सदस्यों को यह महसूस कराना कि वे सुरक्षित हैं और एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

कमियों को साझा करना: अपनी कमियों को स्वीकार करना ताकि आपसी विश्वास, सहयोग बढ़े।

उद्देश्य स्थापित करना: वर्तमान काम को भविष्य के एक साझा लक्ष्य या उद्देश्य से जोड़ना।

ऐसे अपनाएं बिहेवियर कल्चर

आप अपनी प्रोफेशनल या बिजनेस करियर में बिहेवियर कल्चर को कुछ इस तरह लागू कर सकते हैं-

अपनी कमियों को स्वीकारें: अकसर लोग अपनी गलतियों को छुपाते हैं ताकि वे कमजोर न लगें। लेकिन शोध बताते हैं कि जब लीडर अपनी कमजोरी साझा करता है, तो टीम के बीच परस्पर खुलापन और विश्वास बढ़ता है। जब आप कहते हैं, 'मैंने यहां गलती की, आपकी क्या राय है?' तो आप दूसरों को मदद करने और ईमानदारी दिखाने के लिए आमंत्रित करते हैं।

सुनने की कला विकसित करें: जब आप ध्यान से सुनते हैं, तो आप टीम में अपना महत्व बढ़ा लेते हैं। सुनते समय लोगों को बीच में न टोकें और वक्ता के विचारों को विस्तार देने वाले प्रश्न पूछें। जब कोई व्यक्ति महसूस करता है कि उसे गहराई से सुना गया है, तो उसका जुड़ाव और जिम्मेदारी का भाव बढ़ जाता है।

साझा लक्ष्य की शक्ति: यदि सबको पता है कि मंजिल कहां है, तो रास्ता आसान हो जाता है। अपनी टीम को याद दिलाते रहें कि उनका काम बड़े लक्ष्य में कैसे योगदान दे रहा है। टीम को सिर्फ 'क्या करना है' न बताएं, बल्कि 'क्यों करना है' पर भी जोर दें।

अहंकार को दूर रखें: सफल व्यवहार संस्कृति में 'पद' से ज्यादा 'विचार' को महत्व दिया जाता है। जहां हर व्यक्ति को अपनी बात रखने की आजादी होती है, वहीं नए आइडियाज जन्म लेते हैं।

छोटे व्यवहार, बड़ा बदलाव: समय पर आना, दूसरों की मेहनत की सराहना करना और कठिन समय में साथ खड़े होना। ये छोटी-छोटी आदतें और व्यवहार निवेश की तरह हैं, जो भविष्य में टीम की मजबूती के रूप में 'कंपाउंड इंटरेस्ट' देते हैं।

नकारात्मकता पर लगाएं लगाम: अगर कोई व्यक्ति लगातार नकारात्मकता फैला रहा है या दूसरों को नीचा दिखा रहा है, तो ऐसे व्यवहार को तुरंत नकारें ताकि समूह की सामूहिक ऊर्जा और विश्वास सुरक्षित रहे।

फीडबैक का सही तरीका अपनाएं: किसी को उसकी गलती नीचा दिखाने या डांटने के लिए नहीं बल्कि सुधार और उसे क्षमताओं का पूरा इस्तेमाल करने की प्रेरणा देने के लिए बताएं। गलती बताते हुए हमेशा यह जताएं कि आप फीडबैक इसलिए दे रहे हैं क्योंकि आपको उनकी क्षमता पर भरोसा है। *

ट्रेडिशन / अभिव्यक्ति त्रिवेदी

भारत समेत दुनिया के कई देशों के जनजातीय समुदायों में महिलाओं के लिए कुछ अजीबो-गरीब और कष्टप्रद परंपराएं प्रचलित हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

अजब-अनोखी जनजातीय परंपराएं

प्राचीन काल से ही भारत सहित दुनिया के कई देशों में रहने वाले जनजातीय समाजों में अनेक ऐसी परंपराएं मौजूद रही हैं, जो शारीरिक तौर पर बहुत तकलीफदेह होती हैं। इनमें भी ज्यादातर पैनिक ट्रेडिशंस महिलाओं से जुड़ी हैं। ऐसी ही कुछ अजीबो-गरीब ट्रेडिशंस के बारे में यहां बता रहे हैं।

गले में धातु के छल्ले: म्यांमार देश में रहने वाली कायन जनजाति की महिलाएं अपने गले में पीतल या ब्रास धातु के बने छल्ले पहनती हैं। कहा जाता है कि इससे उनकी गर्दन जिराफ की गर्दन की तरह लंबी हो जाती है। ब्रास या पीतल की धातु के इन छल्लों का वजन करीब 20 किलो तक होता है। इसी से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि इनको पहनकर महिलाएं कैसे रहती होंगी और कैसे खेतों में काम करती होंगी। वे महिलाएं अपने गले में ये छल्ले एक के ऊपर एक करके पहनती हैं। इसमें नीचे सबसे बड़े आकार का छल्ला होता है और ऊपर की तरफ पहने जाने वाले छल्ले छोटे होते जाते हैं। वहां पर बचपन से ही लड़कियों के गले में छल्ले डालने लगते हैं, जिससे उनके गले का आकार सुराहीनुमा और लंबा होता जाता है।

इस प्रथा के शुरू होने के पीछे यह मान्यता थी कि लंबी गर्दन वाली महिलाएं बदसूरत नजर आएंगी तो उसे दूसरी जनजाति के लोग अगवा नहीं करेंगे। इस तरह वो खुद को सुरक्षित रखने के लिए गर्दन लंबी करती थीं। इसके पीछे की एक मान्यता यह भी है कि जिन जंगली गांवों में ये लोग रहते हैं, वहां बाघ भी पाए जाते हैं, जो अकसर इंसानों पर हमला कर देते हैं। हमले में बाघ सबसे पहले इंसान की गर्दन पर हमला करते हैं, इसलिए यहां की महिलाओं ने अपने गले को धातु के छल्लों से ढंकना शुरू कर दिया।

काले दांत की परंपरा: ऐतिहासिक प्रमाणों के अनुसार जापान में रहने वाली कुछ जनजातीय महिलाएं विवाहित होने पर अपने दांतों को काले रंग से रंगती थीं, जिसे 'ओहागुरो' कहा जाता था। ओहागुरो में महिलाओं द्वारा लोहे के बुरादे और सिरके के मिश्रण से दांतों को काला किया जाता था।

9वीं से 19वीं शताब्दी तक प्रचलित रही यह प्रथा सुंदरता, विवाह और उच्च सामाजिक स्थिति का प्रतीक थी। दांत काले करने का सबसे बड़ा उद्देश्य दांतों की सुरक्षा करना हुआ करता था। यह दांतों की सड़न को रोकने में मदद करती थी। इसमें उपयोग होने वाले मिश्रण में लौहतत्व और हर्बल टैनिन होते थे, जो दांतों को मजबूत बनाते और कीड़ों से बचाते थे। इसे आधुनिक डेंटल सीलेंट के समान माना जाता है।

जापान के अलावा वियतनाम, थाईलैंड, लाओस तथा फिलीपींस की हिल ट्राइब्स में भी ये परंपरा प्रचलित थी। यही नहीं, इंडोनेशिया और पेरू में जनजातियों द्वारा सांस्कृतिक पहचान के रूप में भी इसे अपनाया जाता था। हालांकि 1870 में जापान में इस परंपरा पर प्रतिबंध लगा दिया गया। दरअसल, पश्चिमी सौंदर्य मानकों और वहां की महारानी के बिना काले किए दांत दिखने के बाद यह बदलाव आया। धीरे-धीरे यह प्रथा केवल नाटकों और त्योहारों तक सीमित हो गई। आजकल, ओहागुरो को केवल कुछ जापानी त्योहारों, ऐतिहासिक फिल्मों आदि में ही देखा जा सकता है।

होंठों में प्लेट: इथियोपिया के ओमो घाटी में रहने वाली जनजातियों में से एक है मुर्सी जनजाति। ये लोग कई तरह के पारंपरिक वस्त्र और आभूषण पहनते हैं। इस जनजाति की महिलाओं द्वारा निचले होंठ में मिट्टी या लकड़ी की प्लेट (डिस्क) पहनना सुंदरता, परिपक्वता और सामाजिक स्थिति का प्रतीक माना जाता है। 15 से 16 साल की उम्र की लड़कियों में इस परंपरा को किया जाता है। इसमें निचले होंठ को काटा जाता है, फिर घाव भरने तक गीले कपड़े से ढंककर रखा जाता है। फिर उसमें प्लेट फंसा दी जाती है। होंठ को खींचकर उसमें प्लेट डालने की यह प्रक्रिया बेहद दर्दनाक होती है।

होंठों में प्लेट पहनने का चलन अविवाहित लड़कियों और नवविवाहित महिलाओं में अधिक देखने को मिलता है। आमतौर पर इन्हें पुरुषों को भोजन परोसने, गायों का दूध दुहने और शादी जैसे महत्वपूर्ण अनुष्ठानों के दौरान पहना जाता है। इस प्लेट के कई अर्थ हैं। पहला, यह अत्यधिक सुंदरता का प्रतीक है। दूसरा, यह पति के प्रति निष्ठा का भी प्रतीक है इसीलिए पति को भोजन परोसते समय इसे बड़े गर्व से पहना जाता है। *

नाक में लकड़ी के प्लग लगाना

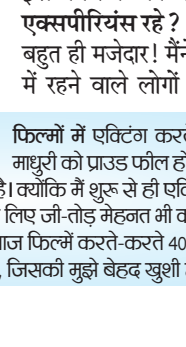

अपने देश के खूबसूरत राज्य अरुणाचल प्रदेश की घाटियों में रहने वाली अपतानी जनजाति अपनी अनोखी संस्कृति और परंपराओं के लिए मशहूर है। इस जनजाति की महिलाओं में चेहरे पर टैटू और नाक में दोनों ओर काली लकड़ी के प्लग लगाने की परंपरा रही है। यह अनोखी प्रथा इन्हें अन्य समुदायों से अलग करती है और उनकी एक अलग पहचान बनाती है। जहां आमतौर पर महिलाओं में नाक छिदवाना सुंदरता का प्रतीक माना जाता है, वहीं इन जनजातियों में यह प्लग पहनना आकर्षण और विशेष सौंदर्य का प्रतीक माना जाता है।

बीते 4 जून को माधुरी दीक्षित नेने की फिल्म 'मां-बहन' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। फिल्म में दो यंग बेटियों की सिंगल मदर का रोल उन्होंने क्या सोचकर एक्सेप्ट किया? लंबे गैप के बाद कॉमेडी करके उन्हें कैसा लगा? फिल्मों में चार दशक गुजारने पर वे कैसा फील करती हैं? फिल्म और करियर से जुड़ी बातचीत माधुरी दीक्षित नेने से।

फिल्म 'मां-बहन' में मैं बिंदास मां बनी हूं: माधुरी दीक्षित नेने

खास मुलाकात / आरती सक्सेना

बॉलीवुड दिवा माधुरी दीक्षित नेने, अपनी खूबसूरत मुस्कान, शोख अदाओं और कमाल की अभिनय क्षमता के बल पर सालों से दर्शकों को दीवाना बनाती आई हैं। हर रोल को वह बेहतरीन तरीके से परफॉर्म करती हैं। माधुरी की एक्टिंग परफॉर्मेंस का कमाल एक बार फिर नेटफ्लिक्स पर हाल ही में रिलीज फिल्म 'मां-बहन' में दर्शकों को देखने को मिल रहा है। इस फिल्म में माधुरी दो बेटियों की सिंगल मदर का किरदार निभा रही हैं। लेकिन यह सिंगल मदर बेचारी नहीं बल्कि शोख अदाओं का जादू बिखेरने वाली बिंदास और सशक्त मां है। फिल्म में माधुरी के साथ तृप्ति डिमरी, रवि किशन, धरना दुर्गा, गीतांजलि कुलकर्णी, शार्दुल भारद्वाज और अरुणोदय सिंह भी हैं। इस फिल्म की कहानी पूजा तोलानी और सुरेश त्रिवेणी ने लिखी है। फिल्म को डायरेक्ट किया है सुरेश त्रिवेणी ने। पेश है माधुरी दीक्षित नेने से इस फिल्म को लेकर हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

नेटफ्लिक्स पर रिलीज फिल्म 'मां-बहन' में कौन-सी बात आपको ऐसी लगी, जो आपने फिल्म में दो जवान बेटियों की सिंगल मदर की भूमिका निभाने का मन बना लिया?

इस फिल्म में भले ही मैं दो बेटियों की सिंगल मदर हूं, लेकिन मैं बेचारी और दुखियारी मां नहीं हूं, बल्कि इस फिल्म में मैं ऐसी मां बनी हूं, जो अपनी उम्र की परवाह न करते हुए एकदम ग्लैमरस और बिंदास दिखती है। फिल्म में मेरे किरदार का नाम रेखा है। रेखा अपना परिवार चलाने के लिए कभी साइबर कैफे तो कभी वाइन शॉप में काम करती है। साथ ही अपनी अदाओं से मर्दों को घायल करके अपना उल्लू भी सीधा कर लेती है। मेरा किरदार इस फिल्म में परंपरागत मां से बिल्कुल अलग है। मैं इस फिल्म में जिंदगी को पूरी तरह जीने वाली बिंदास मां बनी हूं। यह अपने आप में एकदम अलग भूमिका है और मजेदार भी। मुझे खुशी है कि मेरी इस फिल्म 'मां बहन' को दर्शकों का प्यार मिल रहा है। क्रिटिक्स को भी फिल्म पसंद आ रही है, इसे अच्छे रिव्यूज और रेटिंग्स मिल रहे हैं।

क्या इस फिल्म का टाइटल 'मां-बहन' आपको बहुत अटपटा नहीं लगा?

फिल्म के डायरेक्टर और को-राइटर सुरेश त्रिवेणी जब पहली बार मुझे इस फिल्म की कहानी सुनाने आए तो मैंने फिल्म का टाइटल पूछा। जब सुरेश जी ने फिल्म का टाइटल 'मां बहन' बताया तो मुझे लगा कि वह मजाक कर रहे हैं। लेकिन जब मैंने इस फिल्म की कहानी सुनी तो मुझे फिल्म का टाइटल सही लगा, क्योंकि यह टाइटल फिल्म की कहानी से पूरी तरह रिलेट करता है।

फिल्म के एक सीन में तृप्ति डिमरी, धरना दुर्गा के साथ माधुरी दीक्षित

आप इस फिल्म में काफी समय बाद कॉमेडी करती दिखीं। कैसा अनुभव रहा?

मुझे हमेशा से कॉमेडी फिल्म में काम करना पसंद रहा है। जब मुझे 'मां-बहन' फिल्म ऑफर हुई तो मुझे इसकी कहानी बहुत अच्छी लगी, क्योंकि इस फिल्म में लड़कियों और महिलाओं की भावनाओं को हास्य रूप में प्रस्तुत करते हुए एक बेहतरीन भावनात्मक कहानी को पेश करने की कोशिश की गई है। यह एक ऐसी फिल्म है, जो जिंदगी के कई रंगों को प्रस्तुत करती है। इस फिल्म के जरिए मेरी डार्क कॉमेडी में एंट्री हुई है। इस फिल्म में क्राइम, थ्रिल और इमोशंस के साथ-साथ कॉमेडी को भी डिफरेंट तरीके से प्रस्तुत किया गया है। यह पूरी फैमिली के साथ बैठकर देखी जाने लायक एंटरटेनमेंट से भरपूर फिल्म है।

इस फिल्म की शूटिंग के दौरान कैसे एक्सपीरियंस रहे?

बहुत ही मजेदार! मैंने इसमें एकदम उत्तर प्रदेश में रहने वाले लोगों की स्टाइल में डायलॉग्स बोले हैं, जिसमें मुझे बहुत मजा आया। सेट पर माहौल बहुत अच्छा रहता था। फिल्म में मेरी बेटियों का रोल निभा रहीं तृप्ति डिमरी और धरना दुर्गा के साथ मैं खूब मस्ती-मजाक करती थी। चूंकि यह फिल्म सस्पेंस मर्डर और कॉमेडी से भरपूर मजेदार कहानी है, इसलिए सेट पर माहौल भी पॉजिटिव और हंसी-मजाक वाला रहता था। सुरेश त्रिवेणी बहुत ही अच्छे कहानीकार और डायरेक्टर हैं, वो सेट पर हमेशा हल्का-फुल्का और पॉजिटिव माहौल रखते थे।

जब आप अपने फिल्मी सफर को याद करती हैं तो किन फिल्मों को लेकर आपको बेहद खुशी होती है?

मेरी कई ऐसी फिल्में हैं, जो सिर्फ सफल ही नहीं हुईं बल्कि जिसने मुझे और मेरे किरदार को भी यादगार बनाया, 'देवदास', 'हम आपके हैं कौन', 'तेजाब', 'दिल तो पागल है' ऐसी कितनी ही फिल्में हैं, जिनमें अभिनय करके मुझे संतुष्टि और खुशी मिली।

आप पर फिल्माए गए कई गाने आज भी पॉपुलर हैं, जैसे 'धक-धक करने लगा', 'चोली के पीछे क्या है' आदि। इन सॉन्ग्स को लेकर आप क्या कहेंगी?

मुझे खुशी होती है कि मेरे ऊपर फिल्माए गए गाने आज की पीढ़ी भी पसंद करती है। मैं जिस भी पार्टी फंक्शन में जाती हूं, वहां 'धक धक' गाने पर लड़कियों का डांस मुझे देखने को मिलता है। मैं खुद कई बार इस गाने पर पार्टी फंक्शन में डांस कर चुकी हूं। इसी तरह 'एक दो तीन', 'चोली के पीछे क्या है', 'चने के खेत में' और 'डोला रे डोला' जैसे सभी गाने आज भी पॉपुलर हैं, यह देखकर खुशी मिलती है। *

एक्टिंग करते बीत गए 40 साल

फिल्मों में एक्टिंग करते 40 साल बीतने पर क्या माधुरी को प्राउड फील होता है, पूछने पर वह कहती हैं, 'प्राउड तो नहीं कह सकती हां, खुशी जरूर होती है। क्योंकि मैं शुरू से ही एक्टिंग लाइन में आना चाहती थी। मैंने अपने आपको फिल्मों में स्टेब्लिश करने के लिए जी-तोड़ मेहनत भी की है। शुरुआत में तो लगता था कि पता नहीं मैं सफल होऊंगी या नहीं, लेकिन आज फिल्में करते-करते 40 साल निकल गए और इन सालों में मैंने कई बेहतरीन और यादगार फिल्में की, जिसकी मुझे बेहद खुशी है।